04 - भविष्य के शिखर सम्मेलन से उम्मीदें

05 - अधूरी सुविधाओं से कैसे खिलेगा बचपन?

A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 20 सितम्बर , 2024

06 - हिमांशु को मिली सफलता प्रेरणा का काम करेगी: विधायक खंडेलवाल

07- बारिश ने खोली कमीशनबाजी की पोल

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 324, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बलात्कार सिर्फ बंगाल की समस्या नहीं; सबके लिए खतरे की घंटी

जनरल मनोज नरवणे (रि)

हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल में बलात्कार के लगातार ऐसे बड़े मामले हुए हैं जिन्होंने व्यापक सदमे और आक्रोश के साथ-साथ उनके खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग को ज़रूरी बना दिया है। इस तरह की घटनाएं जिस तरह बार-बार घट रही हैं, उन्होंने महिलाओं को सुरक्षा और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था की अहम खामियों को उजागर कर दिया है। संदेशखाली में घटी घटना और कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक युवा डॉक्टर के बलात्कार तथा कत्ल जैसी बड़ी घटना के विरोध में जनप्रदर्शन भी हुए हैं।

आरजी कर बलात्कार-हत्याकांड जैसा बर्बर अपराध 'भालो मानुष के नगर कलकत्ता' में भी हो सकता है, इस हकीकत ने वहां के निवासियों को भारी सदमा पहुंचाया है। उनके जोरदार विरोध प्रदर्शनों ने यौन हिंसा से निबटने में व्यवस्था की नाकामियों को उजागर कर दिया है और सीएम ममता बनर्जी नेतृत्व वाली सरकार पर निर्णायक कदम उठाने का दबाव बढ़ा दिया है। यह बुराई सांस्कृतिक एवं सामाजिक नज़रिए के कारण पनपी है। इस नज़रिए में वह पुरुषवादी दृष्टिकोण भी शामिल है जो गहरी जड़ जमाए बैठा है और यौन हिंसा को बढ़ावा देता है। पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूरे भारत के कई हिस्सों में स्त्री-पुरुष में भेदभाव के पारंपरिक मानदंड और स्त्री-द्वेषी दृष्टिकोण इस बुराई के मामले में चुप्पी ओढ़ने और भुक्तभोगी को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति को मजबूत करता है।

इस तरह का दृष्टिकोण यौन हिंसा से प्रभावी रूप से निबटने और उसे रोकने के प्रयासों को कमजोर करता है। कुछ मामलों में तो यौन हिंसा को सामान्य बता दिया जाता है और पीड़ितों को ही अक्सर दोषी ठहराया जाता है। इन प्रवृत्तियों के कारण इन घटनाओं की खबरों को पूरी गंभीरता से नहीं प्रस्तुत किया जाता और पीड़ितों को पूरा समर्थन नहीं दिया जाता है।

यौन हिंसा से निबटने में कानून को लागू करवाने वाली एजेंसियों का रवैया कुल-मिलाकर ढुलमुल रहा है। अपर्याप्त प्रशिक्षण, अपर्याप्त संसाधन और पीड़िता के प्रति संवेदनशीलता की कमी अक्सर जांच और कानूनी कार्रवाई में बाधक बनती है। यौन हिंसा के मामलों से निबटने और उनकी जांच करने में पुलिस की उदासीनता या लापरवाही इस समस्या को और बढ़ाती ही है। इन सबके ऊपर, सबूतों से छेड़छाड़ या उनकी सुरक्षा में विफलता के कारण ऐसे मामले अदालतों द्वारा आगे चलकर अक्सर खारिज कर दिए जाते हैं। इसके अलावा, मुकदमे के लंबे समय तक घिसटने और पीड़िता को विशेष समर्थन न मिलने के कारण वे कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने से कतराती हैं। इस वजह से दोषियों को सज़ा मिलने की दर कम रहती है और इंसाफ न मिलने का एहसास पनपता है। पश्चिम बंगाल में भी न्यायिक व्यवस्था को इंसाफ में देरी और प्रक्रिया संबंधी कमजोरियों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आर्थिक और सामाजिक कारण भी अपनी भूमिका निभाते हैं। अशिक्षा और यौन हिंसा, यौनाचार में सहमति, कानूनी अधिकारों आदि के बारे में जागरूकता की कमी भी महिलाओं के प्रति अपराधों को बढ़ावा देती है। जनता की नज़र कोलकाता बलात्कार-हत्याकांड के मामले में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों पर केंद्रित रही है। सरकार ने महिला सुरक्षा के लिए कई कदम तो उठाए हैं, मसलन पुलिस गश्त बढ़ाई है और यौन हिंसा के खिलाफ बयान जारी किए हैं, लेकिन जनता के विरोध प्रदर्शनों के प्रति उसकी कार्रवाइयां विवाद का मुद्दा बनी हैं।

विरोध प्रदर्शन मसले की गंभीरता को उजागर करते हैं, लेकिन कानून लागू करने वालों और सरकार का रुख उनके प्रति सख्त और उपेक्षापूर्ण रहा है। लोगों की चिंताओं को दूर करने और उनका भरोसा बढ़ाने के लिए प्रदर्शनकारियों और सिविल सोसाइटी के साथ रचनात्मक बातचीत ज़रूरी है। जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए पारदर्शी संवाद और जवाबदेही बेहद ज़रूरी है। ममता बनर्जी की सरकार ने 'अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल अपराध कानून संशोधन) विधेयक-2024' पेश किया है, जिसका लक्ष्य यौन हिंसा से निबटने के कानूनी ढांचे में सुधार लाना है। लेकिन ऐसे सुधारों के मकसद उन्हें लागू करने में आने वाली समस्याओं के कारण अक्सर पूरे नहीं हो पाते। पीड़िताओं की मदद के लिए बनाई गई परामर्श सेवाओं और हेल्पलाइन जैसे व्यवस्थाओं में सुधार लाना बेहद ज़रूरी है। बीते वर्षों में पश्चिम बंगाल सरकार ने यौन हिंसा की भुक्तभोगियों को मेडिकल, कानूनी तथा मानसिक मदद उपलब्ध कराने के लिए मानक प्रक्रियाएं तय की हैं, लेकिन इन सेवाओं के विस्तार और उनकी गुणवत्ता को लेकर संदेह कायम है। यौन हिंसा की समस्या केवल पश्चिम बंगाल में सीमित नहीं है। यौन हिंसा के बढ़ते मामले महिलाओं में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ाते हैं, खासकर अगर ऐसे मामले उनके कार्यस्थल में होते हैं। यह भय उनकी गतिविधियों की स्वतंत्रता, सार्वजनिक स्थलों और सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी को सीमित करता है।

इसके अलावा, लोगों को जब यह लगने लगता है कि सरकार, तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियां समस्या का गंभीरता से समाधान नहीं कर रही हैं, तब उनमें भ्रम तथा हताशा फैलती है। यौन हिंसा के मामलों से संवेदनशील तथा प्रभावी तरीके से निबटने के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों को विशेष प्रशिक्षण देने की ज़रूरत है। यौन हिंसा के भुक्तभोगियों की मदद करने और हिंसा के मामलों की गहन जांच करने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करना भी बेहद ज़रूरी है।

न्याय दिलाना- न्याय व्यवस्था को यौन हिंसा के मामलों की सुनवाइयों को आगे बढ़ाने और उनमें लगने वाले समय को कम करने के प्रयास करने चाहिए। यह विशेष अदालतों के जरिए और प्रक्रियाओं को दुरुस्त करके किया जा सकता है। शिक्षण अभियान: लोगों को यौनाचार में सहमति, स्त्री सम्मान और कानूनी अधिकारों आदि के बारे में जागरूक करने के लिए जन जागरण अभियान चलाना ज़रूरी है। सिविल सोसाइटी का सहयोग : नागरिक संगठनों और समूहों का सहयोग यौन हिंसा की समस्या के खिलाफ कदमों को मजबूती दे सकता है। ये संगठन भुक्तभोगियों को अक्सर मूल्यवान समर्थन और संसाधन उपलब्ध कराते हैं और नीतिगत परिवर्तन लाने में मदद कर सकते हैं।

विस्तृत समर्थन सेवाएं- मेडिकल केयर, परामर्श और कानूनी सहायता जैसी विस्तृत सेवाएं भुक्तभोगियों को संकट से उबारने और न्याय दिलाने के लिए काफी अहम हैं। ये सेवाएं उनकी पहुंच में हों और प्रभावी हों, यह बेहद ज़रूरी है। भरोसा बढ़ाना : पीड़िताओं, समुदायों और संस्थाओं के बीच भरोसा पैदा करने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही, और शिकायतों का निबटारा करने की प्रतिबद्धता ज़रूरी है। पीड़िताओं और उनके पैरोकारों के साथ सार्थक संबंध अधिक अनुकूल वातावरण बनाने में मददगार साबित हो सकता है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिये आगे बढ़ें : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू

● शहरी और ग्रामीण स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका ● प्रदेश में समग्र विकास के लिये मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं ● सफाईकर्मी अग्रिम पंक्ति के स्वच्छता योद्धा ● राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने उज्जैन में स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया ● 1692 करोड़ के उज्जैन-इन्दौर सिक्स-लेन रोड का किया भूमिपूजन

डीएवीवी टॉपर्स स्टूडेंट को दिए गोल्ड मेडल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। यहां उन्होंने 46 टॉपर्स स्टूडेंट को गोल्ड मेडल प्रदान किए। उन्होंने कहा कि भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार 7 बार नंबर वन आने पर इंदौर के लोगों ने असाधारण उदाहरण पेश किया।

भोपाल/इंदौर (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिये सभी आगे बढ़ें। स्वच्छता ही देश को स्वस्थ और विकसित बना सकती है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इस कार्य में सहयोग करे और सब मिलकर देश को विकसित राष्ट्र बनायें। मध्यप्रदेश ने शहरी और ग्रामीण स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। मध्यप्रदेश के कई शहरों को सफाई के लिये श्रेष्ठ शहर घोषित किया गया है। इन्दौर निरन्तर 7वीं बार देश का स्वच्छतम शहर घोषित हुआ है। भोपाल स्वच्छतम राजधानी बनी है। राष्ट्रपति ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू आज उज्जैन में सफाई मित्रों के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने सफाई मित्रों श्रीमती रश्मि टांकले, श्रीमती किरण खोड़े, श्रीमती शोभा घावरी, श्रीमती अनिता चावरे और श्री गोपाल खरे का सम्मान भी किया। राष्ट्रपति ने 1692 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उज्जैन-इन्दौर सिक्स-लेन मार्ग का भूमिपूजन भी किया। प्रारम्भ में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू का राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और उन्हें श्रीमहाकाल लोक की प्रतिकृति प्रदान की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी भी उपस्थित थे।

देश में पवित्र सेवा का संदेश देगा, उज्जैन का सफाई मित्र सम्मेलन : राज्यपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक नगरी उज्जैन में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के आगमन पर प्रदेशवासियों की ओर से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है आध्यात्मिक केन्द्र उज्जैन में आयोजित सफाई मित्र सम्मेलन देश में स्वच्छता केवल जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि पवित्र सेवा का संदेश प्रसारित करेगा। स्वच्छता अभियान की यह पहल सफाई मित्रों की प्रतिबद्धता के साथ स्वच्छ, स्वस्थ और आध्यात्मिक रुप से सशक्त देश के निर्माण का संदेश प्रसारित करेगी। आज का दिन हमारे समाज को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वच्छता वीरों के लिए अभूतपूर्व और अविस्मरणीय है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि अवन्तिका बाबा महाकाल की पवित्र, दिव्य एवं पावन नगरी है। गुप्तकाल भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग रहा है और उस समय उज्जैन भारत का महत्वपूर्ण नगर था। यहां संस्कृति और सभ्यता की प्राचीन परम्परा है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि आज से 2000 वर्ष पूर्व उज्जैन परिवहन व्यवस्था का उत्कृष्ट केन्द्र था। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का केन्द्र भी था। महाकवि कालिदास ने मेघदूत में उज्जयिनी की विशालता और भव्यता का अद्भुत चित्रण किया है। देवलोक में जो महत्व अल्कापुरी नगरी का है, वही महत्व पृथ्वी पर उज्जैन नगरी का बताया गया है। मैं बाबा महाकाल, अवन्तिका नगरी और पवित्र शिप्रा नदी को प्रणाम करती हूँ।

आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। यह दिन ऐतिहासिक होकर नई सौगात लेकर आया है। हर युग में, हर काल में जिसका अस्तित्व रहा, ऐसी महान एवं पवित्र नदी क्षिप्रा के किनारे स्थित अवंतिका, हर काल में अपने विकास के आयामों से सदैव लोगों के उत्कर्ष की परिचायक है। कहा जाता है कि क्षिप्रा तट पर जो भी व्यक्ति आते हैं और जैसा सोचते हैं, परमात्मा उसे जीवनकाल में उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कामों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का गौरव हासिल करने के प्रत्येक आयामों को छुआ है। विकास के सभी क्षेत्र में सफाई मित्रों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री के जन्म-दिवस 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान, पखवाडे के रूप में मनाया जा रहा है। यह पखवाड़ा प्रधानमंत्री की स्वच्छता के प्रति लगाव की भावना को रेखांकित करता है और सफाईकर्मियों की बड़ी भूमिका का भी अहसास भी कराता है। स्वच्छताकर्मी बीमारी और जिंदगी के बीच मजबूत दीवार की तरह खड़े रहते हैं। मध्यप्रदेश, देश के सभी राज्यों में स्वच्छता के लिए दूसरे नम्बर पर आया है, यह हम सबका सौभाग्य है। साथ ही देश की सबसे स्वच्छ राजधानी का दर्जा भी प्रदेश की राजधानी भोपाल को प्राप्त हुआ है। स्वच्छता का हमारा सबसे मजबूत रिश्ता है। भारत के सबसे स्वच्छ नगरों में लगातार सात बार से प्रदेश ने इस गौरव को इंदौर के माध्यम से हासिल किया है।

सुप्रभात

हमारी ख़ैरियत का ख़त
तुम्हारे पास आया था
सुना हमने तुम्हारा हाथ
पढ़ कर कंपकपाया था।
तरीक़े ज़ख्म देने के बहुत
से जानता था वो
कँटीली बात कह कर फूल
- सा जो मुस्कुराया था ।
भजन गाते दिखे कुछ कंठ
बूढ़े आज मंदिर में
अकेला पन कभी यूँ भी बुज़ुर्गों
ने मिटाया था।
कहानी सुन रहे थे माँ से
बच्चे एक रानी की
अधूरा ख्वाब था माँ का जो
अब होठों पे आया था ।
उसे महफ़िल में अब भी लोग
दिल से याद करते हैं
किसी क़िस्से को शायद वो
अधूरा छोड़ आया था।

– सोनरूपा विशाल

कांग्रेस-नेशनल कान्फ्रेंस के घोषणापत्र से पाकिस्तान खुश

● ये फिर आतंक फैलाना चाहते हैं, लेकिन कोई भी ताकत 370 वापस नहीं ला सकती ● पीएम मोदी का घाटी की जनता से वादा, जम्मू-कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा दिलाएंगे ● कहा-फर्स्ट फेज की वोटिंग में इतिहास रचा, 25 सितंबर को सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर में दो जनसभाएं कीं। उन्होंने कटरा में कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को लेकर पाकिस्तान में बहुत उत्साह है। वहां इन दोनों पार्टियों की बल्ले-बल्ले हो रही है। इनके घोषणापत्र से पड़ोसी देश बहुत खुश है। पीएम ने कहा कि ये सब मिलकर जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाना चाहते हैं, लेकिन कोई भी ताकत 370 वापस नहीं ला सकती। वहीं, शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में पीएम ने कहा, हमने देश की संसद में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा करेगी।

इसलिए मेरी आपसे अपील है कि 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए। इसके पहले 14 सितंबर को पीएम मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को लेकर कहा, इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है। इनके कारण ही यहां के युवा तरक्की नहीं कर पाए। पिछले 6 दिन में पीएम मोदी का यह दूसरा कश्मीर दौरा है। इससे पहले वे 14 सितंबर को डोडा पहुंचे थे। चुनाव में पहले फेज में इतनी बड़ी तादाद में वोटिंग हुई। ये खुशी की बात है कि दहशतगर्दी खत्म हुई और चुनाव के लिए लोग इतनी बड़ी तादाद में घर से बाहर निकले। ये नया इतिहास बना है। आपने ये इतिहास रचा है। दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं। दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है, जैसे-तैसे कुर्सी पर कब्जा जमाना और फिर आपको लूटना, ये इनका पैदायशी हक है। जम्मू-कश्मीर की आवाम को उनके जायज हक से महरूम रखना ही इनका सियासी एजेंडा रहा है। इन्होंने सिर्फ डर और अराजकता ही दी है। अब कोई इनके शिकंजे में रहने वाला नहीं है। जिन नौजवानों को आगे नहीं बढ़ने दिया। वे इनके खिलाफ मैदान में उतर आए हैं युवा। आज वादी का जो नौजवान 20-25 साल का है, उनमें से कई पढ़ाई-लिखाई से मेहरूम रह गए हैं।

21 सितंबर से अमेरिका के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

● बाइडन से होगी मुलाकात, यूएन महासभा में संबोधन भी

● चौथे क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री 2 दिन बाद यानी 21 सितंबर से अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। मोदी के अमेरिकी दौरे पर भारत के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि यह राष्ट्रपति बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री किशिदा के लिए यह एक तरह का विदाई कार्यक्रम जैसा होगा। बता दें कि इस दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम मोदी की स्पीच होगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच एक सार्थक जुड़ाव का अवसर होगा जहां उन्हें भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा।

देश विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं राहुल

अमित शाह ने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी की इल्हान उमर जैसी कट्टर भारत-विरोधी लोगों से मुलाकात और उनके दिए बयानों पर बीजेपी पहले से हमलावर है। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक बयान ने बीजेपी को राहुल गांधी पर हमले का एक और मौका दे दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान ने एक बार फिर कांग्रेस का पर्दाफाश कर दिया है।

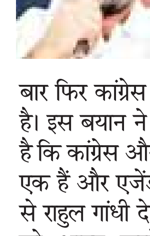

शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35ए पर कांग्रेस और एनसी के समर्थन की बात ने एक बार फिर कांग्रेस को एक्सपोज कर दिया है। इस बयान ने पुनः यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

2

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 20 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

बार-बार फेल प्रोडक्ट फिर उतारने की हो रही कोशिश

- खरगे के पत्र पर नड्डा का जवाबी लेटर,रोचक हुई जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ से लिखे पत्र का भारतीय जनता पार्टी ने जवाब दिया है। भाजपा का कहना है कि खरगे की तरफ से लिखा गया पत्र असफल प्रोडक्ट को बाजार में फिर से उतारने का प्रयास है। दरअसल, मंगलवार को की कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक पत्र लिखा था, जिसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर एनडीए नेताओं की तरफ से दिए गए

बयानों पर चिंता जाहिर की गई थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने खरगे को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा, आदरणीय खरगे जी, आपने राजनीतिक मजबूरीवश जनता द्वारा बार-बार नकारे गए अपने फेल्ड प्रोडक्ट को एक बार फिर से पॉलिश कर बाजार में उतारने के प्रयास में जो पत्र देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को लिखा है, उस पत्र को पढ़कर मुझे लगा कि आपने द्वारा कही गई बाते यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं।

बंगाल की खाड़ी में क्रैश हुआ अमेरिकी घातक ड्रोन

- नौसेना ने लीज पर लिया था,चीन तक करता था निगरानी

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय नौसेना द्वारा अमेरिका से लीज पर लिया गया एमक्यू-9 बी ड्रोन बुधवार को बंगाल की खाड़ी में एक तकनीकी खराबी के कारण क्रैश हो गया। ये घातक ड्रोन चीन तक के इलाकों तक निगरानी करता था। नौसेना ने एक बयान में कहा कि यह घटना एक नियमित निगरानी मिशन के दौरान हुई, जिसमें ड्रोन को पानी में आपातकालीन लैंडिंग (डिचिंग) करनी पड़ी। ड्रोन को अब समुद्र से वापस नहीं लाया जा सकेगा। इसे

अनुपयोगी घोषित कर दिया गया है। एमक्यू-9बी अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स द्वारा निर्मित प्रीडेटर बी का एक संस्करण है, और भारतीय नौसेना ने चार साल पहले इसे लीज पर लिया था ताकि हिंद महासागर क्षेत्र में खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाया जा सके। नौसेना इसे तमिलनाडु के राजाली, अर्कोणम से संचालित कर रही थी। नौसेना ने कहा, मिशन के दौरान इसने तकनीकी खराबी का सामना किया।

मुझे 20-25 सीट दे दो...

मोदीजी को अपने इशारे पर नचाऊंगा

- बारामूला सांसद अब्दुल राशिद की कश्मीरियों से अपील

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बुधवार को सात जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर हुए पहले चरण के मतदान में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आर्टिकल 370 हटने के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में 61 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू-कश्मीर चुनाव में भाजपा, नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी जैसे दिग्गजों के अलावा अब्दुल राशिद की पार्टी एआईपी भी मैदान में है। टेरर फंडिंग केस में

जेल की सजा काट रहे बारामूला लोकसभा सीट जीतकर सभी को चौंकाने वाले राशिद ने कश्मीर की जनता से अपील की है कि अगर वे उनकी पार्टी को 20 से 25 सीटें दे दें तो वे महज तीन साल के भीतर कश्मीर मुद्दे को खत्म कर देंगे और मोदीजी को अपने इशारे पर नचाएंगे। अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के प्रमुख शेख अब्दुल राशिद ने दावा किया है कि अगर जम्मू-कश्मीर के लोग उनकी पार्टी को मौजूदा विधानसभा चुनावों में 20-25 सीटें दें तो वह तीन साल में कश्मीर मुद्दे को सुलझा लेंगे।

अपने ही अधिकारियों पर ऐक्शन लेने की तैयारी में सरकार

स्पेशल फाउंडेशन कोर्स पूरा नहीं करने वाले 203 आईपीएस को मिली चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने राज्यों को उन 203 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है जिन्होंने स्पेशल फाउंडेशन कोर्स पूरा नहीं किया है। हैदराबाद के तेलंगाना के डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में स्पेशल फाउंडेशन कोर्स में भाग नहीं लेने पर इनके खिलाफ एक्शन की तैयारी चल रही है। सेक्रेटरी डीके घोष ने राज्यों को चिट्ठी लिख कर यह कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि पिछले बैचों के 203 आईपीएस अधिकारियों को शामिल करने के बाद ऐसे कुल 443 अधिकारी हैं। आंकड़ों के मुताबिक आईपीएस अधिकारियों में 2020 और पहले के बैचों के लगभग 93 अन्य सेवाओं के अधिकारी भी हैं

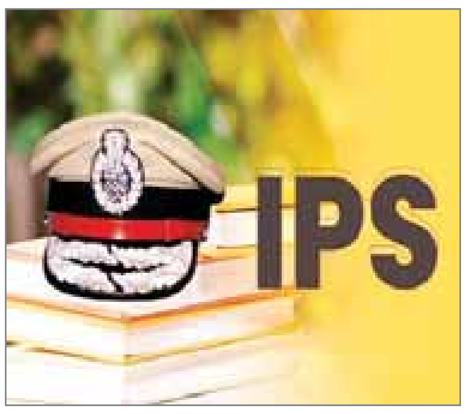

और 2021, 2022, 2023 और 2024 बैचों के 350 अधिकारी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 17 सितंबर को राज्य के मुख्य सचिवों और डीजीपी को लिखी चिट्ठी में सचिव डी के घोष ने कहा,जैसा कि केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा सूचित किया गया है, 2022 बैच तक के बैकलॉग अधिकारियों के लिए कॉमन फाउंडेशन कोर्स के अलावा एक विशेष फाउंडेशन कोर्स आयोजित किया गया था। इस संबंध में यह सूचित किया जाता है कि इस मंत्रालय के पास उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, 2018 से 2022 बैच के कुल 203 सीधी भर्ती वाले आईपीएस बैकलॉग अधिकारियों ने अभी तक अपना फाउंडेशन कोर्स नहीं किया है। घोष के मुताबिक भारतीय पुलिस सेवा (प्रोबेशन) नियम 1954 के अनुसार अगर कोई प्रोबेशनर केंद्र सरकार या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त किसी आदेश का पालन नहीं करता है या यदि केंद्र सरकार की राय में, उसने जानबूझकर अपने प्रोबेशन स्टडी की उपेक्षा की है या अपनी सर्विस के सदस्य के अनुचित आचरण का दोषी है, तो उसके खिलाफ आईपीएस (प्रोबेशन) नियम, 1954 के नियम 11 (3) और 12 (सी) और (डी) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। मुख्य सचिव ने कहा,यह सूचित किया जाता है कि जो अधिकारी फाउंडेशन कोर्स में शामिल नहीं हुए हैं जिन्हें कोर्स के लिए नामित किया गया है, उनके खिलाफ भारतीय पुलिस सेवा (प्रोबेशन) नियम, 1954 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोर्स के विवरण उन्हें भेजे जाएंगे।

अब धरे रह जाएंगे जंगी हथियार मोबाइल डिवाइस से होगा 'खेला'

सामने आए लड़ाई के नए औजार, इजरायली हमले से भारत को मिली सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक के बाद एक हमलों से इजरायल ने हिज्बुल्ला की आंखों में अपना खौफ भर दिया है। हिज्बुल्लाह की अकड़ तब और चकनाचूर हो गई जब इजरायल ने पहले पेजर और अब वॉकी-टॉकी के जरिए ईरानी संगठन को अपना निशाना बनाया है। हमास के नेता इस्माइल हानिये की हत्या के बाद हिज्बुल्ला ने भी इजरायल को करारा जवाब देने की कसम खाई थी। मगर इससे पहले हिज्बुल्ला कुछ करता, इजरायल ने हिज्बुल्ला के संचार नेटवर्क में सेंधमारी कर उसके हौसले को ध्वस्त कर दिया। इजरायल की इस

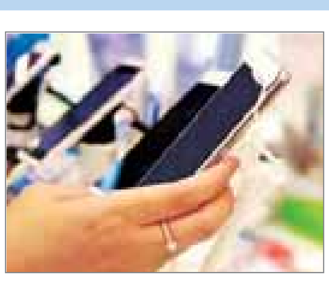

कार्रवाई के कई मायने उभर कर सामने आए हैं। यह ऑपरेशन इजरायली खुफिया एजेंसी के लिए महत्वपूर्ण था क्योंकि 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए थे। इस बार इजरायल ने न केवल अपनी खोई हुई साख को फिर से हासिल कर लिया है आतंकी संगठनों को भी बेइज्जत कर दिया।

संचार उपकरण इस्तेमाल करने से पहले कई बार सोचेंगे आतंकी

इजरायल की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई ने न केवल हिज्बुल्लाह के लड़ाकों को मानसिक रूप से तोड़ा है, बल्कि उनके आकाओं की भी मंशा को तार-तार किया है। अब आतंकवादी किसी भी संचार उपकरण का इस्तेमाल करने से पहले कई बार सोचेंगे, क्योंकि वह उपकरण उनके लिए मौत का कारण बन सकता है। अब ईरान से इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, दोनों देश एक पूर्ण युद्ध की स्थिति में नहीं जा सकते। ईरान की प्रतिक्रिया मिसाइल हमलों और उसके प्रॉक्सी संगठनों जैसे हमास, हौथी, हिज्बुल्लाह और कातैब हिज्बुल्लाह के माध्यम से हो सकती है लेकिन यह छिपी हुई हो सकती है।

बदल रहा जंग का तरीका

आधुनिक आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए इजरायल का यह कदम अन्य देशों के खुफिया एजेंसियों के लिए एक मिसाल बन सकता है। हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई से दुनिया को यह चेतावनी मिली है कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक हथियारों से नहीं, बल्कि साइबर हमलों और संचार उपकरणों के माध्यम से लड़े जाएंगे। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि इजरायल ने ईरानी समर्थित संगठनों के संचार नेटवर्क में सेंध लगा दी है, जिससे उनकी ताकत कमजोर हो गई है। भारत के लिए इजरायली मॉडल से सीख लेने की जरूरत है क्योंकि पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान स्थित इस्लामिक आतंकवादियों के निशाने पर भारत रहा है। बड़ी संख्या में भारतीय लोग चीनी निर्मित मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, जो पाकिस्तान का सहयोगी है। इजरायली अभियान ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए भी एक संदेश छोड़ा है कि उन्हें अपनी संचार व्यवस्था को सुरक्षित करना चाहिए, न कि पश्चिमी देशों में बने उपकरणों पर निर्भर रहना चाहिए।

एनडीए के बिहारी साथियों को एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव स्वीकार

- चिराग पासवान,जीतन राम मांझी और नीतिश कुमार का मिल गया साथ

पटना (एजेंसी)। एक देश एक चुनाव पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। खास बात है कि केंद्र सरकार के इस फैसले का चुनाव बिहार में एनडीए यानी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथी दलों ने भी किया है। कहा जा रहा है कि यह पहला मौका है जब बिहार के साथी दल और भारतीय जनता पार्टी के सुर किसी मुद्दे पर एक हुए हैं। दरअसल, इससे पहले जनता दल (यूनाइटेड) और लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) की लेटरल एंट्री और वक्फ बोर्ड बिल के मामले में राय अलग थी। वन

नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर जेडीयू, लोजपा (र) और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) कैबनेट के प्रस्ताव का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। जेडीयू के सलाहकार केसी त्यागी ने बताया, बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने सालों पहले ही एक देश एक चुनाव को लेकर अपना समर्थन जाहिर कर दिया था। यह हमारे जैसे कम इलेक्शन फंड वाले छोटे दलों के लिए मददगार होगा। पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा जैसे हमारे वरिष्ठ नेताओं ने रामनाथ कोविंद कमेटी के सामने अपना मत रखा था। यह स्वागतयोग्य कदम है। जो लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं, वह गलत हैं।

आर्मी के सिग्नल इंजीनियर का शव जंगल में मिला

परिवार का आरोप- युवती ब्लैकमेल कर रही थी; 2 साल पहले अश्लील वीडियो बनाए

सागर (नप्र)। सागर के जंगल में आर्मी के सिग्नल इंजीनियर का शव पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिला है। माना जा रहा है कि उन्होंने सुसाइड किया है। परिजन ने एक युवती पर दो साल से ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अश्लील वीडियो के जरिए युवती 10 से 12 लाख रुपए ऐंठ चुकी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बलेह पुलिस चौकी (रहली) के देवलपानी गांव से लगे जंगल में देवेंद्र सिंह लोधी (28) का शव बुधवार देर शाम जंगल में मिला था। वे देवलपानी गांव के ही रहने वाले थे। दोपहर से लापता थे। परिवार वाले सर्च करते हुए जंगल पहुंचे, तब उन्हें देवेंद्र फांसी के फंदे पर झूलते हुए दिखे। गुरुवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्ट्म कराया है।

देवेंद्र सेना में सिग्नल इंजीनियर के पद पर पदस्थ थे। 15 दिन की छुट्टी पर घर आए थे। वर्तमान में सिकंदराबाद में पदस्थ थे। ट्रांसफर होकर मेरठ जाने वाले थे। उनके बड़े भाई भी आर्मी में हैं।आर्मी जवान का शव बुधवार देर शाम मिला। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्ट्म कराया।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहे थे- पिता अजमेर लोधी ने पुलिस में शिकायत करते हुए बताया कि बेटे को एक युवती समेत पांच लोग परेशान कर रहे थे। दो साल पहले आरोपियों ने बेटे को बर्थडे पार्टी में बुलाया और नशीला पदार्थ पिला दिया। इसके बाद एक युवती के साथ अश्लील वीडियो बना लिया। कुछ फोटो भी क्लिक किए। इन्हें वायरल करने की धमकी देकर सभी बेटे को ब्लैकमेल कर रहे थे। इन्हीं लोगों की प्रताड़ना से परेशान होकर देवेंद्र ने सुसाइड किया है।

भाजपा के हरियाणा चुनाव संकल्प पत्र में 20 बड़े वादे

- अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी, महिलाओं को 2100 महीने, यह कांग्रेस से 100 रुपए ज्यादा

रोहतक (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को हरियाणा चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र में अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी दी गई है। महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने का वादा किया है। यह राशि कांग्रेस के कल जारी घोषणा पत्र से 100 रुपए ज्यादा है। इसमें 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने जैसी 20 बाते हैं। रोहतक में संकल्प पत्र जारी करते हुए नड्डा ने कहा कि अस्पतालों में डायलिसिस फ्री

होगा और चिरायु आयुष्मान योजना में 10 लाख तक इलाज मुफ्त हो सकेगा। नड्डा ने कहा कि बीजेपी ने 20 संकल्प रखे हैं। हरियाणा के विकास को नॉन स्टॉप रखने के लिए सिग्नल आपको डाउन करना है। वह किसका करना है, ये आपको तय करना है। इस प्रोग्राम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया, हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के अलावा बड़े नेता मौजूद थे। जेपी नड्डा ने कहा हरियाणा की छवि 10 साल पहले क्या थी। पहले हरियाणा में नौकरी के लिए पर्ची-खर्ची चलती थी। नौकरी के कारण लोगों को सजाएं तक हुई। हरियाणा जमीनों के घोटाले के लिए जाना जाता था। उनका रियल मेनिफेस्टो ये था कि जमीन का घोटाला। किसानों की जमीन को हड़पना। उनकी जमीन की श्रेणी को बदलना। मेनिफेस्टो को विरोधियों ने डायल्यूटेड बना दिया। भाजपा के लिए संकल्प पत्र सीरियस डाक्यूमेंट है। हम जो कहते हैं, वही करते हैं। इससे आपको साफ दिखेगा कि हरियाणा बदला है। हरियाणा का एक्सपोर्ट दस साल में 68 हजार करोड़ से बढ़कर ढाई लाख करोड़ से ज्यादा का हो चुका है।

लेबनान में दहशत,मोबाइल तक नहीं छू रहे यहां के लोग

- पेजर,वॉकी-टॉकी धमाकों से पूरे देश में भय का माहौल

बेरूत (एजेंसी)। लेबनान में पेजर, वॉकी-टॉकी के बाद अब सोलर एनर्जी सिस्टम में धमाके हुए हैं। पिछले 2 दिन में धमाकों के तीन पैटर्न में 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3500 से ज्यादा घायल हैं। इन धमाकों के बाद लोग मोबाइल फोन छूने से डर रहे हैं। वहीं हिजबुल्लाह ने अपने लड़ाकों को हिदायत दी है कि वे अपने फोन की बैटरी निकालकर फेंक दें। लेबनान में ईरान के समर्थन वाले हिजबुल्लाह संगठन के लड़ाके इजराइली हैकिंग से बचने के लिए मोबाइल फोन की जगह पेजर और वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करते हैं।

वहीं, राजधानी बेरूत में बड़ी संख्या में घरों पर सोलर सिस्टम लगे हुए हैं। हिजबुल्लाह ने इन हमलों का आरोप इजराइल पर लगाया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को इस मामले में आपात बैठक बुलाई है। लेबनान की राजधानी बेरूत में रफीक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स के वॉकी-टॉकी और पेजर्स ले जाने पर बैन लगा दिया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने ये आदेश जारी किया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल में दो मिसाइलें दागीं। इसमें 8 इजराइली सैनिक घायल हो गए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर है। लेबनान में हमलों के बीच इजराइली ने अपने कई सैनिकों को गाजा से नॉर्दर्न बॉर्डर शिफ्ट किया है।

अब इसरो शुरू करेगा 'मिशन शुक्रयान' अभियान

मार्च 2028 तक पूरा होने की संभावना,वायुमंडलीय दबाव का करेगा अध्ययन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने अंतरिक्ष मिशन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कुल 31,772 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत चंद्रयान-4 मिशन, गगनयान और शुक्रयान समेत अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना पर जोर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इन योजनाओं को मंजूरी देते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के लिए 2040 का रोडमैप तैयार कर दिया है। मंत्रिमंडल ने चंद्रयान-4 मिशन के अलावा जिस बड़े मिशन को मंजूरी दी है, उनमें शुक्रयान भी बतौर बड़ा मिशन शामिल है। इसके तहत शुक्र परिक्रमा-यान मिशन के विकास को मंजूरी दी गई है।

यह चंद्रमा और मंगल मिशन से परे शुक्र ग्रह के अन्वेषण और अध्ययन के सरकार के विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। शुक्र ग्रह के बारे में माना जाता है कि यह कभी रहने योग्य हुआ करता था और काफी हद तक पृथ्वी के समान था। ऐसे में शुक्र के परिवर्तन के अंतर्निहित कारणों का अध्ययन शुक्र और पृथ्वी दोनों बहन ग्रहों के विकास को समझने में महत्वपूर्ण रूप से सहायक होगा। खास बात यह है कि यह ग्रह बिल्कुल पृथ्वी की तरह और पृथ्वी के आकार जैसा है। वहां भी अतीत में महासागर और जलवायु था

लेकिन अब शुक्र ग्रह रहने लायक नहीं है। इस अभियान के लिए अंतरिक्ष यान के विकास और प्रक्षेपण का दायित्व भी इसरो का ही होगा। इस मिशन के मार्च 2028 तक पूरा होने की संभावना है।

इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बीते साल एक व्याख्यान के दौरान कहा था कि शुक्र के वायुमंडल और उसके अम्लीय व्यवहार को समझने के लिए वहां एक मिशन भेजना जरूरी है। माना जा रहा है कि शुक्रयान मिशन शुक्र ग्रह पर वायुमंडलीय दबाव का अध्ययन करेगा। इसका वायुमंलीय दाब पृथ्वी से 100 गुना ज्यादा है। सरकार ने मिशन शुक्रयान के लिए 1236 करोड़ रुपये के फंड को मंजूदी दी है। इसमें से 824 करोड़ रुपए सिर्फ शुक्रयान अंतरिक्ष यान के विकास पर खर्च किया जाएगा। यह मिशन भारत को विशालतम पेलोड को उपयुक्त कक्षा में उपग्रह को छोड़ने सहित भविष्य के ग्रह संबंधी मिशनों में सक्षम बनाएगा। ऐसे अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण यान के विकास के दौरान भारतीय उद्योग की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। मिशन शुक्रयान वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद करेगा कि ग्रहों का वातावरण अलग-अलग तरीके से कैसे विकसित हुआ, भले ही वे एक जैसे ही शुरू हुए हों। मिशन के तहत शुक्र ग्रह की मिट्टी भी धरती पर लाने की योजना है। इसके जरिए वैज्ञानिक इस मिशन के तहत शुक्र ग्रह की सतह, उपसतह और वायुमंडलीय प्रक्रियाओं का भी अध्ययन कर सकेंगे। मिशन यह भी अध्ययन करेगा कि सूर्य शुक्र के वायुमंडल को कैसे प्रभावित करता है। ये मिशन भविष्य के ग्रहों के अन्वेषणों का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में हुआ दीक्षांत समारोह आयोजन

राष्ट्रपति बोलीं- मेडल जीतने में बेटियों की संख्या ज्यादा होना अच्छी बात

इंदौर (एजेंसी)। गुरुवार को दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा आप सबके बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आज इस विश्वविद्यालय में पदक प्राप्त करने वाली विद्यार्थियों में बेटियों की संख्या बेटों से अधिक है। उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई देती हूं। आज इस अवसर पर इंदौर शहर के लोगों को भी बधाई देती हूं। लगातार 7 बार भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम स्थान पर आने वाले इंदौर के लोगों ने असाधारण उदाहरण पेश किया।लोकमाता अहिल्या बाई शिक्षा के महत्व को समझती थी। उनके पिता ने उन्हें उस दौर में शिक्षित किया। जब लड़कियों के लिए पढ़ना आम बात नहीं थी। समाज के लोग इसका विरोध करते थे। महिला सशक्तिकरण का उनका जीवन एक उदाहरण है। देवी अहिल्या बाई का जीवन इस बात का उदाहरण है कि महिलाएं सभी क्षेत्र में सक्रिय होकर क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

मंत्री का एक्स अकाउंट हैक कर क्रिप्टो करेंसी का प्रमोशन

हैकर्स पीएम मोदी के अकाउंट से भी कर चुके हैं छेड़छाड़

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और इंदौर-1 से विधायक कैलाश विजयवर्गीय का X (ट्वीटर) अकाउंट बुधवार रात हैक कर लिया गया। शिकायत के बाद इसे रिस्टोर किया गया है। इस दौरान हॉकी इंडिया समेत कई अकाउंट और भी हैक हुए थे। कुछ देर बाद ही सभी अकाउंट रिस्टोर हो गए।हैकर्स ने विजयवर्गीय का अकाउंट हैक करने के बाद क्रिप्टोकरेंसी का प्रमोशन किया। 18 सितंबर की रात करीब 11.30 बजे जो अकाउंट हैक हुए, उनमें दुनिया के गोल ब्राजील, हैदराबाद मेट्रो, सैंटा क्रूज काउंटी आदि प्रमुख अकाउंट्स शामिल हैं। इसी तरह 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक्स अकाउंट भी हैक हो चुका है।

अकाउंट हैक करने के बाद मैसेज भी लिखा

हैकर्स ने क्रिप्टोकरेंसी की एक लिंक पोस्ट की। पोस्ट में लिखा - यह अकाउंट हैक हो चुका है। हम जिस भी अकाउंट को हैक करते हैं, उस पर एक टोकन एड्रेस पब्लिश करते हैं और साथ में प्रॉफिट कमाते हैं।

पीएम का अकाउंट भी हुआ था हैक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्विटर अकाउंट दिसंबर 2021 में हैक हो गया था। पीएमओ ने ये जानकारी दी थी। साथ ही हिदायत दी थी कि इस दौरान किए गए सभी ट्वीट को इग्नोर किया जाए। अकाउंट हैक करने के बाद उससे क्रिप्टोकरेंसी को लेकर ट्वीट किया गया था, जिसमें लिखा था - भारत ने आधिकारिक रूप से बिटकॉइन को कानूनी मान्यता दे दी है।

डेटा की सुरक्षा पर सवाल उठे

इन ऑफिशियल एक्स अकाउंट्स पर क्रिप्टोकरेंसी की संदिग्ध पोस्ट देखकर यूजर्स ने तुरंत कमेंट्स करना शुरू कर दिया और अकाउंट के हैक होने की बात भी शेयर कर की। यूजर्स ने डेटा की सुरक्षा को लेकर भी सवाल किए। बता दें कि हैक हुए अकाउंट्स पर लाखों की तादाद में फॉलोअर्स हैं। इस तरह के साइबर अटैक से लाखों लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

इंदौर में अगले तीन दिन मौसम पूरी तरह से साफ

आज भी तेज धूप ; अब 22 सितम्बर के बाद बदलेगा मौसम

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में गुरुवार सुबह से मौसम एकदम साफ है और तेज धूप खिली हुई थी। अगले तीन दिन तक भी मौसम साफ रहेगा और धूप रहेगी। दरअसल अभी मध्य प्रदेश में एक्टिव बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम कमजोर होकर आगे बढ़ गया है। अब 22 सितम्बर के बाद मौसम बदलेगा। तब तक बारिश के आसार नहीं हैं।मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक एक हफ्ते से लो प्रेशर एरिया, मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी रही। इस वजह से प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहा, लेकिन अब सिस्टम आगे बढ़ गया है। इस कारण चार दिन तक तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। इसके पूर्व मंगलवार को बारिश नहीं हुई थी। इस दौरान दिन का तापमान 29.4 (-2) डिग्री और रात का तापमान 22.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया था। बुधवार दोपहर को कुछ देर शहर के कई हिस्सों में बारिश हुई और कुछ ही मिनटों में थम गई। इस दौरान 24 घंटे में 5.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बुधवार को दिन का तापमान 30.4 (0) डिग्री और रात का तापमान 21.9 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अभी रात का तापमान औसत से 1 डिग्री ज्यादा और दिन का तापमान औसत बना है। अब तक सीजन की 31 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। सितम्बर माह के तीन हफ्ते बीत चुके हैं। इस माह करीब दो इंच ही बारिश हुई है जबकि सीजन का कोटा 36 इंच का है। इस लिहाज से अभी 6 इंच बारिश की और जरूरत है।

भागीरथपुरा से बैंककर्मी के चार वर्षीय बेटे का दिनदहाड़े अपहरण

इंदौर (एजेंसी)। भागीरथपुरा से मंगलवार दोपहर चार वर्षीय बच्चा गायब हो गया। स्वजन ने बच्चे के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शक है कि बच्चे को बेहोश कर अगवा किया गया है। पुलिस और स्वजन बच्चे और आरोपितों की तलाश में जुटे है। सिल्वर कॉलोनी (धार)निवासी राहुल बागवान का चार वर्षीय बेटा किशू मंगलवार दोपहर भागीरथपुरा बगिया रोड़ से गायब हो गया। राहुल के मुताबिक मामा राधेश्याम कुकड़िया उर्फ बंटू के घर पर चौदस उद्यापन का कार्यक्रम था। राहुल की पत्नी पूजा,मां अनिता, पिता गुलाबसिंह,भाई रविंद्र भी किशू को लेकर इंदौर आए थे। दोपहर करीब 2 बजे बजे किशू घर के आंगन में खेल रहा था। सवा दो बजे पूजा ने देखा दूसरे बच्चे तो घर में आ गए लेकिन किशू गायब है। तत्काल उसकी तलाश शुरू कर दी। सूचना मिलते ही बाणगंगा और भागीरथपुरा पुलिस भी पहुंच गई। टीआई लोकेश सिंह भदौरिया के मुताबिक घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं है। पुलिस ने नाले और गलियों में भी तलाश कर ली है।राहुल के मुताबिक किशू आसानी से किसी के पास जाता नहीं है। संभवतः उसको नशीला पदार्थ खिलाकर अगवा किया है। पुलिस के मुताबिक कालोनी में कुछ मिस्त्रियों ने बच्चे को खेलते हुए देखा था।

हर तरह की जमीन पर बिना ड्राइवर दौड़ेगी ये गाड़ी

इंदौर के छात्रों का कमाल ; पहली ऑटोनॉमस बाहा कॉम्पिटिशन का हिस्सा बनेंगी

इंदौर (एजेंसी)। देश के ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग सेक्टर का सबसे बड़ा इवेंट बाहा इंडिया पहली बार नए फॉर्मेट में होगा। इसमें ऑटोनॉमस बाहा को जगह दी गई है। यानी बिना ड्राइवर के हर भूभाग पर चलने वाली गाड़ियों की कॉम्पिटिशन। यह इस इवेंट का

चौथा फॉर्मेट माना जाएगा। इससे पहले एम,ई और H बाहा होता रहा है। ऑटोनॉमस-बाहा कॉम्पिटिशन की ड्राइवर लेस ऑफ रोडिंग कार रेसिंग में मुकाबला 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक पुणे में होगा। खास बात यह है कि इसमें इंदौर के छात्रों की दो टीमों को जगह मिल गई है। बता दें कि फाइनल इवेंट में देश की सिर्फ 5 टीमें पहुंची, जिसमें दो इंदौर के इंजीनियर्स की हैं। एक गाड़ी के सस्पेंशन एसए से बुलाए गए हैं जबकि दूसरी गाड़ी सर्बिया और जापान से भी पार्ट्स बुलाए गए हैं।

ऑटोनॉमस बाहा और एटीवी क्या है- एम-बाहा, ई-बाहा और एच-बाहा के साथ ही पहली बार ऑटोनॉमस-बाहा होगी। एम बाहा प्रतियोगिता में पेट्रोल गाड़ी, ई-बाहा में इलेक्ट्रिक गाड़ी और एच-बाहा में हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ी का इस्तेमाल होता है।

4 साल की बेटी को ले जाने पति की जबरदस्ती, दर्ज कराया केस

पति से प्रताड़ित होकर अलग हुई थी पत्नी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के हीरा नगर में रहने वाली एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट और जबरदस्ती बेटी को ले जाने के प्रयास करने के मामलों में केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। हीरा नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक काजल कुशवाह निवासी मेघूदत नगर की शिकायत पर पुलिस ने राकेश कुशवाह पर केस दर्ज किया है। काजल ने पुलिस को बताया कि वह अपनी 4 साल की बेटी के साथ रहती है और यहां कुक का काम करके उसकी देखभाल करती है।

पति आए दिन मारपीट करते और शराब पीकर घर आते थे जिसके चलते ढाई साल पहले उन्हें छोड़ दिया अलग रहने लगी। 16 सितंबर के दिन पति राकेश शराब के नशे में आए और बेटी को ले जाने के लिए जबरदस्ती करने लगे। रोका तो अपशब्द कहे। हाथ मुक्कों से मारपीट करते हुए डंडा उठाकर पीटा। इसके बाद बुधवार को पति अचानक फिर से घर आए। उन्होंने आते ही फिर से अपशब्द कहे और बेटी को गोद में उठा कर जबरदस्ती बाहर लाने की कोशिश की। शोर किया तो वह बाहर की तरफ गए। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करते हुए बाहर निकल गए। पीड़िता बाद में थाने पहुंची और पति पर केस दर्ज कराया है।

देर से उठने की बात पर सास-पति ने पीटा

नागदा में रहने वाली एक महिला ने इंदौर अपने मायके आकर अन्नपूर्णा पुलिस को सास और पति के खिलाफ शिकायत की है। अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शानू राठौर निवासी बारा पत्थर कानून नागदा की शिकायत पर अपने पति संदीप राठौर और सास टमा राठौर के खिलाफ केस दर्ज की है। शानू ने बताया कि 2015 में उसकी शादी हुई है। उसका एक बेटा और एक बेटी है। बुधवार सुबह 7 बजे का समय था। जिसमें सास टमा आई ओर अपशब्द कहते हुए कहा कि अभी तक सो रही है। कितना समय हो गया। घर का कोई काम नही करती। यह बात पति संदीप को बताई। उसने आकर मारपीट की। बचाव किया तो सास ने भी मारपीट की। शानू विवाद के बाद अपने माता पिता के यहां आ गई। इसके बाद थाने आकर केस दर्ज कराया है।

बीमारी से परेशान दुकानदार ने फांसी लगाकर दी जान

पत्नी सुबह उठी तो फंदे पर लटके देखा ; जांच में जुटी पुलिस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के इंदिरा नगर इलाके में गुरुवार सुबह एक दुकानदार का शव उसके घर में फंदे पर लटके मिला। परिवार ने पुलिस को जानकारी दी। शव को जिला अस्पताल भेजा गया है।छत्रीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अजय उर्फ बबला पुत्र गोपाल ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह पत्नी जागी तो उसे फंदे पर लटके देखा। इसके बाद दोनों बच्चो को जगाया। अजय घर पर ही दुकान चलाता था। वहीं पत्नी भी हार फूल की दुकान संचालित करती है।पुलिस ने प्रारंभिक जानकारी में बताया कि अजय को काफी समय से पेट की बीमारी थी। उसका उपचार भी चल रहा था। इसके कारण वह डिप्रेशन में चल रहा था। पुलिस को मौके से किसी तरह का सुसाइड नोट नही मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फूड डिलेवरी बॉय को बेल्ट, लात-घूंसों से पीटा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के संजय सेतु ब्रिज के पास से झांकी देखकर घर जा रहे फूड डिलेवरी बॉय के साथ युवकों ने जमकर मारपीट की। मामले में पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी की पहचान की है। मारपीट करने वाले 4 से 5 आरोपी बताए जा रहे है।सेन्ट्रल कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के दौरान मनीष चौहान की शिकायत पर पुलिस ने राज और उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने और हथियार लहराने के मामले में केस दर्ज किया है। मनीष ने पुलिस को बताया कि वह स्विगी कंपनी में फूड डिलेवरी बॉय का काम करता है। बुधवार सुबह 5 बजे के लगभग संजय सेतु से अपने घर की तरफ जा रहा था। तभी रास्ते में एक युवक ने उसे धक्का मारा। मनीष ने पीछे पलटकर उसे देखकर चलने को कहा।इस दौरान उसके साथी आ गए। उन्होंने अपशब्द कहे। आरोपियों ने सड़क के डिवाइडर पर धक्का देने के बाद बेल्ट और हाथ मुक्कों से मारपीट की। वहां पर अन्य लोगों ने बचाव किया। मौके पर खड़े पुलिसकर्मियों को जानकारी दी। उन्होंने थाने भेजा। पुलिस ने एक आरोपी की पहचान राज नाम के लड़के को लेकर की है। बाकी उसके साथी बताए जा रहे है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की शिनाख्ती के प्रयास कर रही है।

सड़क निर्माण कंपनी के रिटायर्ड कर्मचारी की हादसे में मौत

तेज रफ्तार कार ने घर के पास मारी टक्कर; ड्राइवर पकड़ाया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कनाड़िया ब्रिज के पास एक हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जाता है कि वह दो माह पहले ही सड़क निर्माण कंपनी से रिटायर्ड हुए थे। शाम को वह दूध लेने गए। वहां से वापस आते वक्त सड़क क्रॉस करते समय कार ने उन्हें चपेट में ले लिया था।कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक भीलसिंह (62) निवासी टिगरीया राव को कार ने सड़क पार करते वक्त बुधवार शाम करीब 6 बजे टक्कर मार दी। उन्हें हाथ और पैरो में चोट आने के चलते उपचार के लिए एमवाय भेजा गया। यहां पर दो घंटे से बाद उनकी मौत हो गई। पोते रोशन ने बताया कि वह घर से आधा किलोमीटर की दूरी पर दूध लेने गए थे। यहीं से वापस आ रहे थे। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

दो माह पहले हुए रिटायर्ड

भीलसिंह सड़क निर्माण कंपनी में कार्यरत थे। वह दो माह पहले ही इस कंपनी से रिटायर्ड हुए है। उनके परिवार में चार बेटे है। परिवार मूल रूप से राजपुर का रहने वाला है। वह अपने छोटे बेटे नैनसिंह के परिवार और पत्नी बुंदी के साथ रहते थे।

युवक-युवती बैठे थे, कई वाहनों को मारी टक्कर

भीलसिहं को टक्कर मारने के बाद कार सवार कार को तेजी में भगाते हुए ले गया। लोगों का कहना था कि कार में युवक युवती बैठे थे। पुलिस रास्ते में चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने जब यहां कार रोकी तो उसमें से युवक युवती भाग गए। जिसमें कार चला रहे युवक को पुलिस ने पकड़ लिया।

सीने में दर्द के बावजूद सात किलोमीटर बाइक चलाकर घर गए सेल्स मैनेजर की कार्डियक अरेस्ट से मौत

इंदौर (एजेंसी)। निजी बैंक के सेल्स मैनेजर नमन धाड़गे की कार्डिअक अरेस्ट से मौत हो गई। 30 वर्षीय नमन के सीने में दर्द हो रहा था। वह स्वयं बाइक से सात किमी बाइक चलाकर घर गए और बेहोश हो गए। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक मुराई मोहल्ला निवासी नमन पुत्र गोपाल धाड़गे को स्वजन मंगलवार शाम गंभीर अवस्था में एमवाय अस्पताल ले गए थे। डॉक्टर उपचार करना शुरू करते मगर इसके पूर्व नमन की मौत हो गई। स्वजन ने पुलिस को बताया नमन एबी रोड़ स्थित निजी बैंक में सेल्स मैनेजर की नौकरी करता था।प्रतिदिन की तरह मंगलवार को सुबह ऑफिस आया था। दोपहर में उसे घबराहट हुई और सीने में दर्द उठा। दवा लेने का बोलकर नमन खुद अपनी बाइक से घर चला गया।जैसे ही घर पहुंचा बेहोश होकर गिर गया। घबराए स्वजन उसे एमवाय अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। नमन की नौ महीने की बेटी है।उसके पिता गोपाल बाल आश्रम में पदस्थ है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक नमन की मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई है।

इंदौर में घर के बाहर खेलते वक्त गायब हुआ बच्चा

एसडीआरएफ की टीम ने नाले में तलाशा, पुलिस को अपरहण की आशंका, डेरों में सर्चिंग

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में 4 साल का बच्चा बुधवार दोपहर घर के बाहर खेलते हुए लापता हो गया। आसपास बच्चे को खोजने के बाद में परिवार शाम में थाने पहुंचा। सोशल मीडिया पर बच्चे की फोटो वायरल करते हुए उसकी तलाश की जाने लगी। लेकिन गुरुवार दोपहर तक बच्चे की कोई जानकारी सामने नही आई। पुलिस ने एसडीआरएफ को बुलाकर नाले और आसपास के जंगल में सर्चिंग की है। वहीं पुलिस डेरों में भी बच्चे की तलाश करके आई है।बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 4 साल के किशु बागबान के मामले में अपरहण का केस दर्ज कर जांच की जा रही है। मामले में पुलिस ने गुरुवार सुबह एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर सर्चिंग कराई। बताया जाता है कि जहां किशु अपने परिवार के साथ रहता है। वहां घर के पीछे बड़ा नाला है। पुलिस को शंका है कि वह खेलते हुए नाले तरफ चले गया हो। टीमें इसे लेकर अभी भी सर्चिंग कर रही है।वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने एक टीम बनाकर बच्चे की तलाश में आसपास के डेरों में तलाश भी शुरू की है। पुलिस के मुताबिक झांकी के चलते कई लोग बाहर से आकर यहां डेरों में रह रहे है। वही पास में मेला भी लगा है। इसके चलते बच्चे के अपहरण की संभावना जताई गई है।

धार का रहने वाला है बच्चा

किशु बागबान मूल रूप से धार का रहने वाला है। अपने रिश्तेदार के इंदौर में माता पिता के साथ एक प्रोग्राम में आया था। सुबह प्रोग्राम के बाद वह दोपहर में खेल रहा था। बच्चे के पिता बैक में कार्यरत है। वह अपने माता पिता का इकलौता बेटा है।

दृष्टि बाधित बच्चों के लिए नेत्र परीक्षण कैंप

रोटरी क्लब ऑफ इंदौर अपटाउन रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के प्रोजेक्ट दृष्टि के तहत किया आयोजन

इंदौर (एजेंसी)। रोटरी क्लब ऑफ इंदौर अपटाउन रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 कि प्रोजेक्ट दृष्टि के तहत दृष्टि बाधित बच्चों के लिए नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ये कैंप चोइथराम नेत्रालय में आयोजित हुआ। इसमें एमबी जैन ब्लाइंट स्कूल दाहोद के 20 दृष्टि बाधित बच्चों को नेत्र परीक्षण किया गया।जांच से 6 बच्चों को दिखने की संभावना नजर आई है। 2 बच्चों को लो विजन दिए जाएंगे, 2 बच्चों को कॉर्निया ट्रांसप्लांट होना है। 2 बच्चों का रेटीना का ऑपरेशन होना है।

इस आयोजन में नेत्र विशेषज्ञ और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने अन्य बच्चों की आंखों के लिए आवश्यक सलाह दी। इस मौके पर डीजीएन संस्कार कोठारी, रो.दीप्ति कोठारी, रो.यशोवर्धन कोठारी, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के पब्लिक इमेज चेयर पर्सन रो.घनश्याम सिंह, आराधना सहाय, मनमोहन तिवारी, विनीत सहाय, डीजी अनीश मलिक, रो.सीमा मलिक, दाहोद क्लब के अध्यक्ष और सचिव रो.बामनीया उपस्थित थे।

संपादकीय

अरविंद की जगह आतिशी !

दिल्ली में हुए राजनीतिक घटनाक्रम में शराब घोटाले में फंसे दिल्ली राज्य के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी जगह सहयोगी मंत्री आतिशी मार्लेना को सीएम बनाने की घोषणा कर दी। आतिशी के 21 सितंबर को शपथ लेने की संभावना है। दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। तब तक आतिशी खड़ाऊं राज चलाएंगी। यानी परदे के पीछे सत्ता केजरीवाल के हाथों में ही रहेगी। अरविंद केजरीवाल चौंकाने वाले फैसले, विवादित बयानों और अप्रत्याशित आचरण के लिए जाने जाते हैं। दिल्ली में जो कुछ हुआ है, वह इसी की अगली कड़ी है। ज्यादातर राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि केजरीवाल का यह पद त्याग केवल सियासी स्टंट है और अपनी राजनीतिक छवि चमकाने की नई शोशेबाजी है। लेकिन जानकारों का सोचना है कि सीएम पद से इस्तीफा देकर केजरीवाल ने कई निशाने साधने की कोशिश की है। पहला तो पद से हटते ही उनका मानना है कि उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप फीके पड़ जाएंगे। विपक्ष का फोकस आतिशी पर ज्यादा रहेगा। अगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल फिर से जीतकर आते हैं तो उन पर लगे भ्रष्टाचार के दाग अपने आप धुल जाएंगे। इसलिए भी कानूनी अदालत के बजाए जनता की अदालत के फैसले को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। दूसरा मुख्यमंत्री पद के त्याग से केजरीवाल हरियाणा में जमकर चुनाव प्रचार कर सकेंगे। हरियाणा उनका गृह राज्य है और केजरीवाल की तमन्ना रही है कि अपने गृह राज्य में उनकी पार्टी मजबूत हो। हालांकि आप वहां अभी भी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रही है। 2019 के विधानसभा चुनाव में उसने कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे मात्र 0.48 फीसदी वोट ही मिले थे। इस बार पार्टी सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अब केजरीवाल पार्टी का घनघोर प्रचार करेंगे तो उसका फायदा आप को कितना होगा और प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और भाजपा को कितना होगा, इसका पता तो नतीजों से ही चलेगा। फिर भी मोटे तौर पर माना जा रहा है कि आप की मौजूदगी कांग्रेस को ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसा हुआ तो दस साल बाद राज्य में सत्ता में लौटने के कांग्रेस के सपनों पर पानी फिर सकता है। लेकिन चुनाव में आप कुछ खास नहीं कर पाई तो अरविंद केजरीवाल वापस दिल्ली में अपनी जमीन कायम रखने पर मेहनत करेंगे। बताया जा रहा है कि वो अपना सरकारी शीशमहल भी खाली कर रहे हैं ताकि बकौल उनके उनकी 'कट्टर ईमानदार' की छवि को बचाया जा सके। केजरीवाल का उदय भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार के खिलाड़ लड़ने वाले योद्धा के रूप में हुआ था। लेकिन बीते दस सालों में यमुना में काफी पानी बह गया है। केजरीवाल एंड कंपनी पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं। सत्ता की लालसा में उसने पिछले लोकसभा चुनाव में चिर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया, जिसका कोई फायदा उसे नहीं मिला। नई परिस्थिति में दिल्ली विस चुनाव में भाजपा आप को कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। हालांकि भाजपा के पास दिल्ली में अभी भी कोई दमदार नेता नहीं है। आतिशी को सीएम प्रोजेक्ट करने के बाद संभव है कि भाजपा उनकी काट के तौर पर स्मृति ईरानी को आगे बढ़ाए। वैसे भी स्मृति के पास अभी कोई खास काम नहीं है। इतना सब करने के बाद भी भाजपा दिल्ली में सत्ता में आ ही जाएगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। केजरीवाल मोदी के आगे भले कमजोर पड़ते हों, लेकिन दिल्ली में आप की जड़े काफी मजबूत हैं। भाजपा की ताजपोशी वहां उसी स्थिति में संभव है, जब कांग्रेस वहां अच्छा प्रदर्शन करे।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। आप केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

भविष्य के शिखर सम्मेलन से उम्मीदें

यह पृथ्वी आठ अरब लोगों की है. यह ग्रह आठ अरब लोगों का है. लेकिन विडम्बना यह है कि आठ अरब मनुष्यों ने यह घोषित कर दिया है कि यह पृथ्वी उनकी अपनी है और उनका भविष्य चिंता करने का विषय है और एक साझी रणनीति बनाने के लिए सामूहिक सम्मेलन करना चाहिए. यद्यपि सच यह है कि इस ब्रह्माण्ड में पृथ्वी के आसपास जितनी भी विद्यमान विषय व व्यवस्थाएं हैं, पृथ्वी उन सबकी है. मनुष्यों के अतिरिक्त विद्यमान वस्तुओं की बात यहाँ की जा रही है यानि प्रकृति के विभिन्न घटक वनस्पतियाँ, प्राणी, प्रत्यक्ष या परोक्ष इस सृष्टि के आवश्यक तत्व, पृथ्वी इन सबकी है. फिलहाल, 'भविष्य का शिखर सम्मेलन' एक ऐसी उच्च स्तरीय बैठक है जिसमें दुनिया भर की विशिष्ट हस्तियाँ, न्यूयॉर्क स्थित यूएन मुख्यालय में एकत्र होकर इस मुद्दे पर नई अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने की कोशिश करने जा रही हैं कि वर्तमान को बेहतर कैसे बनाया जाए और भविष्य की हिफ़ाज़त किस तरह की जाए. दुनिया के बहुत से मसले, चुनौतियाँ और समाधान के लिए संघर्ष से मुक्ति के लिए यह भविष्य का शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है. इस सम्मेलन का उद्देश्य दोहरा है एक, हमारी मौजूदा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के प्रयासों को तेज़ किया जाए और उभरती चुनौतियों व असवरों का मुक़ाबला करने के लिए ठोस, कारगर क़दम उठाने के लिए सभी अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करें. दूसरा, अन्तरराष्ट्रीय सहयोग, दरअसल मौजूदा और हाल के वर्षों में उभरी या निकट भविष्य में उभरने वाली चुनौतियों से असरदार तरीक़े से निपट सकता है, यह इसके मूल उद्देश्य में शामिल है. इस महाकुंभ में यह भी कोशिश की जाएगी कि कार्रवाई पर आधारित परिणाम दस्तावेज़ के ज़रिए हासिल किया जाएगा, जिसे भविष्य के समझौते के नाम से जाना जाता है और ऐसी अपेक्षा है कि सम्मेलन के आरम्भ में, विश्व नेतागण, इस पैक्ट को पारित कर ग्लोबल डिजिटल कॉम्पैक्ट और भविष्य की पीढ़ी के लिए घोषणा पत्र पर एकमत हों. एक सुरक्षित और न्यायसंगत भविष्य की शुरुआत हेतु यह बहुत सही मौका है. इसके लिए भविष्य का शिखर सम्मेलन हो रहा है और इस सम्मेलन के साथ ही दुनिया की हस्तियाँ यह तय करेंगी की महासभा में भविष्य के शिखर सम्मेलन केंद्रित बातें दूरगामी असर दिखाएँ.

सच में, एक नए और दूरदर्शी 'भविष्य के समझौते' के लिए यह एक बड़ा अवसर है. विश्व में एकमत होना बहुत ही जटिल कार्य है. संयुक्त राष्ट्र प्रमुख, एंतोनियो गुटेरेश ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नवीनतम रणनीति दस्तावेज़ों का अनावरण करते हुए 2023 में कहा था कि चूँकि हमारी दुनिया अधिक जटिल, अधिक अनिश्चित, और अधिक ख़तरनाक होती जा रही है, इसलिए बहुपक्षीय प्रणाली को मज़बूत करने की हमारी ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है. आज उस जिम्मेदारी को पूरा करने की वह सोच न्यूयॉर्क में अपने प्रतिबद्धताओं को कामयाबी देने जा रही है लेकिन यह इतना आसान भी नहीं है जितना सोचा जा रहा है. दूरदर्शी भविष्य के समझौते हमारे लिए एक्शन मोड में जबतक नहीं आते शायद यह संभव नहीं होगा. फिर भी, जब यह भविष्य का शिखर सम्मेलन हो रहा है तो इसके मूल में जो आज है उसमें विश्वास खोना भी उचित नहीं है न ही बुद्धिमानी का काम है. इसमें पूरी दुनिया को विश्वास करना ही पड़ेगा.

भावी पीढ़ियों के लिए सोचने और कार्य करने के लिए एक उचित रणनीति क्या पता विश्व को एक नया मोड़ दे जाये? भविष्य की पीढ़ियों की नीति के लिए एक वैश्विक आयोग बनाने का तो संकल्प 2023 में लिया गया था. कितना कुछ हुआ उस दिशा में, यह पूरी दुनिया जानती है. इस शिखर बैठक के दौरान अनेक विषय जो चर्चा के मुख्य केंद्र में होंगे, और जिनमें मुख्यतः पाँच विषयों पर ध्यान केन्द्रित होगा यह सम्मेलन वे हैं टिकाऊ विकास व वित्त पोषण, शान्ति व सुरक्षा, सर्वजन के लिए डिजिटल भविष्य, युवाजन व भावी पीढ़ियाँ और वैश्विक शासन व्यवस्था. इसके समानांतर, मानवाधिकारों, लैंगिक समानता व जलवायु संकट समेत अन्य विषयों पर भी बहसें सम्मिलित हैं.

महासचिव चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि यूक्रेन, ग़ाज़ा, सूडान और इनसे इतर हिंसक टकराव, भूराजनैतिक दरारें, असीमित हो रही हैं. जलवायु परिवर्तन, असमानता, कर्ज़, बिना उपयुक्त सुरक्षा उपायों के कृत्रिम बुद्धिमता जैसी नई टैक्नॉलॉजी का विकास भी हमारे लिए चुनौती के सबब बनेंगे. एक संकट दूसरे को और हवा दे रहा है. मसलन डिजिटल टैक्नॉलॉजी से जलवायु संबंधी ग़लत, भ्रामक जानकारी को हवा मिल रही है. इससे ध्रुवीकरण बढ़ रहा है और आपसी विश्वास में कमी आ रही है. वर्तमान वैश्विक संस्थाएँ और फ़्रेमवर्क इन जटिल और अस्तित्व पर मंडराती इन चुनौतियों के लिए बिलकुल भी उपयुक्त नहीं हैं. महासचिव की यह चिंता इस भविष्य के शिखर सम्मेलन में मुखरित होगी और इन सबके निदान के लिए पुरजोर मंथन होना है.

संयुक्त राष्ट्र में टोटल एलीमिनेशन ऑफ़ न्यूक्लियर वीपेंस पर बहुत समय से परिचर्चाएं हो रही हैं, लेकिन अभी तक कुछ ऐसा नहीं हुआ की सभी देश एक साथ मिलकर जीरो न्यूक्लियर वीपेंस पर सहमति बना सकें. इस बार भी 26 सितम्बर को जब इस विषय पर चर्चा हो रही है तो यह समिट फॉर फ्यूचर में भी मुद्दा होना चाहिए था. दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो पांच मुद्दे हैं भविष्य के लिए शिखर सम्मेलन में उसमें परमाणु हथियारों को लेकर कोई ख़ास सहमति के लिए अवसर नहीं दिया गया है, उसे महासभा में बहस के लिए छोड़ दिया गया है. एसडीजी का मुद्दा दोनों महापंचायत में बहस के लिए रखा गया है. आज जब सभी जान गए हैं की एमडीजी से एसडीजी के लक्ष्य जो पूरे विश्व के लोग चाहे थे, वह कई कोस दूर है तो उस पर चिंता के लिए बहस होगी. सब जानते हैं कि यह औपचारिकता के लिए बहस हो रही है. लक्ष्य तो हमसे बहुत दूर ठहर गए हैं. कुल मिलाकर यूएन प्रमुख ने सदस्य देशों से 'भविष्य के लिए वचन-पत्र', वैश्विक डिजिटल कॉम्पैक्ट और भावी पीढ़ियों के लिए घोषणापत्र पर सहमति बनाने का आग्रह किया है.

यदि सहमति का मनोवैज्ञानिक पक्ष यही है कि सब मिलकर हस्ताक्षर कर दें तो यह घोषणा-पत्र भी एसडीजी लक्ष्यों की तरह न हो जाए, चिंता इस बात की है. चिंता इस बात की है कि यह हो सम्मेलन हो रहा है वह सबके गले के नीचे उतरेगा भी कि केवल घोषणा-पत्र रह जाएगा? आज की चुनौतियों के बीच जो सम्मेलन हो रहा है, इस पहल की प्रशंसा अवश्य की जानी चाहिए क्योंकि पहल ही एक दिन मूर्तरूप पाती है. विश्व के कोई सामान्य बुद्धि के लोग इस सम्मेलन में भाग नहीं ले रहे हैं. सभी तो किसी देश के किसी न किसी तरह से गतिशीलता देने वाले लोग हैं. इनसे इसलिए पूरा विश्व अपेक्षा भी करता है की यह जो वैश्विक बैठक है, उसमें भविष्य की पीढ़ी के लिए सच में कुछ अच्छा हो जाए. कुछ इस प्रकार के इनिशिएटिव लिए जाएँ जो दिखें भी और सबके लिए सुख प्रदान करने वाले हों. विकास के इस सतत प्रवाह में कुछ त्याग की भी अपेक्षाएं हैं जो दुनिया के देश अपने लालच और महत्वाकांक्षा में लिपटे हुए हैं कदाचित उनके त्याग इस महासम्मेलन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकते हैं लेकिन क्या इस बैठक में सम्मिलित देश त्याग करने को तैयार होंगे, सवाल यह है. यह सवाल इसलिए है क्योंकि भविष्य के लिए शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले लोगों से ही खा जाये कि जीरो न्यूक्लियर वीपेंस के लिए आगे आयें तो शायद वे इस पर अपनी एकनिष्ठ सहमति बनायें. उन्हें अधिकतम त्याग की जब तक ज़रूरत वास्तव में महसूस नहीं होगी ऐसे शिकार सम्मेलन से कुछ निकालने वाला तो निकट भविष्य में नहीं लगता.

भविष्य के शिखर सम्मेलन का एक हित जो आज दिखाई दे रहा है वह यही है कि बातचीत की शुरुआत हो रही है. यदि कुछ भी पृथ्वी का, इस ब्रह्माण्ड की खूबसूरती का और आने वाली पीढ़ी का हित शुरू हुआ तो भी यह सम्मेलन सफल हो जाएगा. पहल ही हर सफलता की प्रारंभिक कड़ी होती है.

मुद्दा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

गंभीर खतरे का संकेत है इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर

लेबनान बेरुत में एक दिन पहले पेजर और उसके बाद वॉकी-टॉकी व सोलर सिस्टम में विस्फोट से दर्जनों मौत और हजारों की संख्या में हताहत के बाद अब यह साफ हो गया है कि दुनिया के किसी भी कोने के कोई भी व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो तो यह उसकी गलत फहमी होगी। दरअसल लेबनान की घटना विरोधी से बदला लेने का नया हथियार सामने आ गया है। दुर्भाग्यजनक बात यह है कि यह दुश्मन से बदला लेने का साधन नहीं होकर के आतंक का नया हथियार भी हो सकता। दुनिया में आतंकवादी गतिविधियों को इससे बढ़ावा ही मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर का यह नया अंदाज अपने आप में गंभीर और अत्यधिक चिंताजनक हो गया है। कोरोना काल में जिस तरह से चाइना पर दुनिया के देशों से संदेह किया था भले ही कोरोना का कारण कोई भी रहा हो और सारी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मौत के तांडव का यह नया तरीका और भी अधिक विनाशक होने के साथ ही गंभीर है। लगता है जैसे विनाश का हथियार विनाशक लोगों के हाथ में आ गया है। अब इसके दुरुपयोग की संभावनाएं बहुत अधिक हो गई है।

पहले संवाद का माध्यम पेजर का युद्ध के नए हथियार के रुप में सामने आना बेहद चिंताजनक होने के साथ ही भविष्य में नए तरीके के युद्ध का नया संकेत बनकर सामने आया है। लेबनान में हजारों पेजरों, वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम में विस्फोट से यह साफ हो गया कि इलेक्ट्रोनिक डिवाइसों का उपयोग विनाश, आतंक फैलाने या इसी तरह की दूसरी गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। लेबनान में एक साथ हजारों की संख्या में पेजरों में विस्फोट को लेकर संभावनाओं का बाजार गर्म है। होने में तो यह एक तरह का साइबर अटैक कहा जा सकता है पर चूंकिं अभी आरंभिक स्थिति है ऐसे में कयास यह लगाये जा रहे हैं कि या तो डिवाइस को हैक करके यह कार्रवाई की गई है या फिर पेजर जहां से खरीदे गए हैं वहां से ही इसमें कोई विस्फोटक प्लांट किया गया है और जिसका परिणाम मौत और हताहतों के रुप में सामने आ रहा है। करीब एक दर्जन से अधिक की मौत की शुरुआती जानकारी के साथ ही 3 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के समाचार है। ईरानी राजदूत सहित करीब 500 लोगों को अपनी आंख गवानी पड़ी है। जानकारों के अनुसार एक तरह से इसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफायर भी कहा जा सकता है। हांलाकि इस घटना के लिए इजरायल पर निशाना साधा जा रहा हैं वहीं पेजर सप्लाई करने वाली ताइबान की कंपनी भी शक के दायरें में हैं। लगभग यही स्थिति वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम के विस्फोट को लेकर है।

ईरान समर्थित हिज्जबुल्ला संगठन हमास पहले से ही इस तरह की घटना के प्रति इस मायने में सावचेत था कि उसे यह शक था कि सेलफोन के माध्यम से इस तरह की घटना के साथ ही हमास की गतिविधियों की जासूसी संभावित है। ऐसे में हमास ने अपने प्रमुख समर्थकों को पेजर का उपयोग करने की ही सलाह दी हुई थी। पिछले दिनों ही ताइबान से 5000 पेजर मंगवाये गये थे। वॉकी-टॉकी भी लगभग पांच माह पहले खरीदे गये थे। यह कयास लगाया जा रहा है कि पेजर सप्लाई करने से पहले उसमें कोई इस तरह की चिप इंप्लांट कर दी गई थी जो एक निश्चित तापमान पर आते ही विस्फोट हो जाए। दूसरी और यह भी कयास है कि पेजर को हैक करके बेटरी का तापमान बढ़ाकर विस्फोट किया गया हो। लगभग यही कुछ वॉकी-टॉकी व सोलर सिस्टम को लेकर है। जो भी हो पर यह तकनीक के दुरुपयोग की श्रेणी में ही आएगा। हांलाकि ताईबान की पेजर निर्माता कंपनी के सू चिंग कुआंग ने पेजर में पहले से कोई विस्फोटक इंप्लांट होने की बात को सिरे से खारिज किया है। इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर की संभावनाओं को इससे समझा जा सकता है कि हिज्जबुल नेता हसन नसरुल्लाह ने सेलफोन के उपयोग ना करने के लिए अपने समर्थकों को सतर्क कर रख था। यही कारण था संगठन के बीच संवाद का माध्यम पेजर ही था। लेबनान के लोग अभी तक यह नहीं भूले हैं कि 6 मार्च, 1966 को हमास नेता याह्या अब्बास को फोन कॉल विस्फोट कर उड़ा दिया था। कहने को तो यह भी कहा जा रहा है रुस यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन द्वारा मोबाइल फोन में विस्फोट कर रुसी सैनिकों को मौत के घाट उतारने का दावा यूक्रेन द्वारा किया गया।

सवाल यह नहीं है कि इन विस्फोटों से कितने लोग मरें या हताहत हुए, सवाल यह भी नहीं है कि इसके लिए निर्माता कंपनियां दोषी है या हैक करने वाले, सवाल यह भी नहीं हैं कि आपसी बदले की भावना से यह किया गया है या अन्य कोई कारण, सवाल यह भी नहीं है कि यह किसके द्वारा करवाया गया है। सवाल सीधा सीधा यह है कि आर्थिक उदारीकरण के दौरान दुनिया सिमट के रह गई है। अधिकांश जरुरत की चीजों में चिपों का इस्तेमाल आम है। इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल क्रांति के इस युग में देखा जाए तो फिर कुछ भी सुरक्षित नहीं है। पेजर, वॉकी-टॉकी या सोलर सिस्टम तो एक बहाना है। यदि इस तरह की संभावनाएं है तो इलेक्ट्रोनिक क्रांति के चलते क्या गरीब और क्या अमीर सभी के पास एंड्रोइड मोबाइल व अन्य उत्पाद आम है। इसके साथ ही कंम्प्यूटर, टेबलेट्स, नोटबुक, लेपटॉप आदि का उपयोग आम है और इनको हैक किया जाना तो आसान माना जाता है। पिछले दिनों जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट को चंद समय के लिए हैक कर दिया गया था या सोशियल मीडिया साइट वाट्सएप आदि को हैक कर भले ही कुछ समय के लिए ही हो पर हैंकरों ने अपनी ताकत दिखा ही दी। हालात तो यह है कि अब तो लक्जरी गाड़ियों में डिवाइस का उपयोग होने लगा है। इसी तरह से घर में दैनिक उपयोग के एसी, फ्रिज, इंडक्शन, अन्य उत्पाद आदि जिस जिस में भी डिवाइस लगी होती है उसमें सिस्टम में कुछ भी गलत कर सप्लाई करने और कभी भी दुरुपयोग करने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता है।

डिजिटल अरेस्ट, साइबर क्राइम आदि जब आज आम होता जा रहा है तो इलेक्ट्रोनिक वारॅरफेयर तो नए जमाने का नया संकट पैदा हो गया। ऐसे में किसी भी सिरफिरे व्यक्ति या आतंकी नेता या देश द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने की संभावनाएं बढ़ गई। यह अपने आपमें मानवता के लिए नया संकट हो गया है। समय रहते इसकी काट बनानी होगी नहीं तो किसी के पागलपन का शिकार निर्दोष लोगों को होना पड़ सकता है। यह अपने आप में गंभीर और चिंतनीय स्थिति है। यह कोई लेबनान की समस्या नहीं है, ना ही यह पेजर, वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टम में ब्लास्ट तक सीमित है। बल्कि यह तो नए तरह का आतंक है। सिरियल बम विस्फोट से भी अधिक गंभीर है इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर। जब दुनिया के किसी कोने में बैठा खुरापाती किसी भी कम्प्यूटर, लेपटॉप आदि को हैक कर नुकसान पहुंचा सकता है, आपकी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, उस जानकारी के दुरुपयोग की संभावनाएं और अधिक हो गई है। क्योंकि जिस तरह से हमारी निर्भरताएं इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर लगातार बढ़ती जा रही है उसी तरह से विनाश की संभावनाएं बढ़ती जा रही है।

राष्ट्र हित से जुड़ा है 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

पहल

विनोद नागर

लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार हैं।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के बाद श्राद्धपक्ष में केन्द्र सरकार द्वारा लिया गया 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का फैसला स्वागत योग्य है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में उठाया गया यह एक ऐसा कदम है जो दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र को मजबूत करेगा। हालांकि विपक्षी दल, जिनका काम ही सरकार के हर फैसले का विरोध करना है, उन्हें चुनाव सुधार की दिशा में की गई इस युगांतरकारी सार्थक पहल में भी नफा नुकसान ही नज़र आ रहा है।

सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में ठीक एक साल पहले गठित समिति की अठारह हजार से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट के आधार पर की गई जिन सिफारिशों को माना है, उन्हें 2029 से दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभा के तथा दूसरे चरण में ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के चुनाव एक साथ सम्पन्न होंगे। हालांकि चुनाव के इन दोनों चरणों में सौ दिन का अंतराल अवश्य रहेगा। सबसे बड़ा फायदा तो यह होगा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची को बारम्बार अद्यतन करने की कवायद से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि सभी चुनाव एक ही वोटर लिस्ट के आधार पर कराए जाएंगे।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार कोविंद कमेटी की सिफारिशों को लागू करने वाला बिल संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में लाएगी या नहीं ! यद्यपि गृह मंत्री अमित शाह दृढ़ता से कह रहे हैं कि सरकार इसे अपने मौजूदा कार्यकाल में ही लागू करेगी। जाहिर है देश में चुनाव सुधार से जुड़े इस राष्ट्रीय महत्व के फैसले के क्रियान्वयन पर अब सबकी निगाहें लगी रहेंगी। पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा सरकार के इस निर्णय को अव्यावहारिक और संविधान के खिलाफ़ बताना महज़ एक विपक्षी दल की फौरी प्रतिक्रिया भर है।

चुनाव लोकसभा या विधान सभा के हों अथवा नगर निगम, नगर पालिका और पंचायतों के, इन्हें कराने में न केवल भारी मशक्कत लगती है, बल्कि अपार धन सरकारी खजाने से खर्च होता है। बार बार चुनाव की आचार संहिता लागू होने से न केवल विकास कार्य ठप होते हैं, बल्कि तमाम सरकारी मशीनरी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने को विवश हो जाती है।

'एक देश, एक चुनाव' की नई अवधारणा को लागू करने की सबसे बड़ी चुनौती चुनाव आयोग के समक्ष रहेगी। पर भारत का चुनाव आयोग पहले भी हर तरह की चुनौती का सफलता पूर्वक सामना करने की मिसाल पेश कर चुका है। चाहे वह ईवीएम से जुड़ी चुनौतियां हों या मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अथवा मतदाताओं के फोटोयुक्त पहचानपत्रों में संशोधन की प्रक्रिया को आसान बनाने का मसला रहा हो। भारतीय मतदाताओं ने फर्जी मतदान की घटनाओं में आशातीत कमी और मतपेटियां लूट लिए जाने की विध्वंसक घटनाओं को इतिहास में समाते हुए भी देखा है और मतदान केंद्रों को आधुनिक बनाने का नवाचार भी अपनी खुली आंखों के सामने साकार होते देखा है।

इसलिए देश को अब 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखरता के साथ एकजुट होकर व्यापक जनहित में अपनी आवाज़ बुलंद करने के लिए आगे आना चाहिए। राजनैतिक रोटी सेकने वालों के पुराने चूल्हों में अब वैसे भी ज्यादा आग नहीं बची हैं। बस, धुआं ही धुआं बचा है, जिसमें चश्में से झांकती आंखें भर लाल हो रही हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

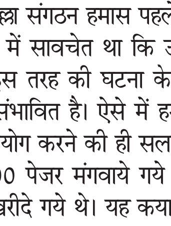

जवाहर चौधरी

(व्यंग्यकार एवं लेखक)

मेकअप उतर जाए तो फिर काहे का लोकतंत्र बे !

देखो भाई जमाने की चाल को समझो। संसार का एक सूत्रीय फार्मूला यह है कि दिखाओ और दिखाते रहो। आगे बढ़ने के लिए दिखना/दिखाना जरूरी है। ऊपर बेल बूटा हो, चाहे नीचे पेंदा फूटा हो। भगवान ने भी आँखे सुंदरता देखने के लिए दी है। इसीलिए तो आदमी का प्रयास होता है कि वह सुन्दर रचे, सुन्दर बनाए, सुन्दर दिखाए। राजनीति में भी जिम्मेदारों का प्रयास होता है कि अच्छा चाहे ना हो पर अच्छा दिखे जरूर । अच्छा दिखाने के लिए किए गए बुरे काम को भी राजनीति कहते हैं। अच्छा दिखने से ही फीलिंग अच्छी आती है। मन में आनंद की अनुभूति होती है। किसी ने कहा है कि पल भर के लिए कोई हमें प्यार कर ले झूठा ही सही। सवाल सही-झूठ का या प्यार-व्यार का नहीं है। सवाल अच्छी फीलिंग यानी अनुभूति का है। राजनीति गुड फिलिंग मांगती है । मेरे पैरों में घुँघरू बंधा दे, फिर मेरी चल देख ले ।

ब्यूटी पार्लर तो जानते हो ना। एक तरह का सर्विस स्टेशन होता है डेंटिंग-पेंटिंग वाला । जाना पहचाना दीवाना इंसान अंदर घुसता है और दो घंटे बाद अपनी पहचान खो कर भ्रमित बाहर निकलता है। इस घटना को आधी दुनिया मेकअप के नाम से जानती है। इस प्रक्रिया को बार-बार करते रहो तो कुछ समय में असली पहचान खो जाती है और मेकअप ही दिखता रहता है। बाद में जो दिखता रहता है वही पहचान बन जाती है। मेकअप न हो तो एक वोट भी ना मिले । किसी जमाने में लोग टीवी को चौथा खंबा मानते थे अब ब्यूटी-पार्लर कहने लगे हैं। अंदर दौड़ते भागते ब्यूटीशियन के पास फेशियल का काम ओवरलोड चल रहा है। दागी पीतल को इतना घिसा जाता है कि वह सोने का भ्रम देने लगे। रुपइए के लिए भागते दौड़ते लोग भी चमक ही देखते हैं, कसौटी पर परखने की फुरसत किसके पास है। आमजन तो परिधान ही देख कर धारणा बना लेता है। रेशमी वस्त्र, आभूषण, गदा-चक्र आदि देखकर समझ लेता है कि यही देवता है। संस्कार ऐसे हैं कि जहाँ भी यह 'चीज' दिख जाए हाथ अपने आप जुड़ जाते हैं और शीश झुक जाता है। फिर चाहे सड़क पर भीख माँगता बहरूपिया हो या मोहल्ले में वोट माँगता हृदय सम्राट ही क्यों न हो ।

आजकल हमारे ज्यादातर सेवक दाढ़ी में दिखाई देते हैं। लोगों को लगता है कि मधुमक्खी का छत्ता लगाए घूम रहे हैं जनता के वास्ते । लोग उम्मीद करते हैं कि एक न एक दिन इन छत्तों में शहद भी इकठ्ठा होगा। सोचते हैं चलो अच्छा है कभी बीमार पड़े और वैद्यजी ने शहद से दवा लेने को कहा तो इन्हीं से माँग लेंगे या बाजार में सस्ता मिल जाएगा। विकल्प भी बहुत रहेंगे मार्केट में। सनातनी शहद ले लो या समाजवादी। मिलेगा तो भारत जोड़ने वाला खानदानी शहद भी, लेकिन मार्केट में उसकी शर्ट सप्लाई हमेशा बनी रहती है। शहद मिले या ना मिले, चारों तरफ छत्तों को देखते रहने से ही मन मीठा हुआ रहता है। फिलिंग अच्छी आती है ।

हर काम में थोड़ा रिस्क होता ही है। मेकअप का मामला भी इससे अलग नहीं है। मेकअप से ज्यादा कठिन मेकअप को बनाए रखना है। बरसात में तो यूँ समझो की जरा चूके तो नीचे से असली सूरत निकल आती है। जैसे सजी सँवरी बल खाती चिकनी सड़क खड्डों और मुँहासे के साथ लजाऊ हो जाती है। पुल तो ऐसे ढ़हते हैं मानो किसी ने लिपस्टिक पर रगड़ कर पोंछा फेर दिया हो। जरा आँधी चलती है तो ऋषि मुनि हों या महापुरुष इतिहास में नए पन्ने दर्ज करा जाते हैं। राजनीति के कीड़े कहते हैं कि सरकार की टाँग खींचने वाले दो हैं, एक विपक्ष दूसरा बरसात। बरसात को तो टप्पू कह कर उसकी खिल्ली उड़ाई नहीं जा सकती है और ना ही उसे दबाया जा सकता है। हाँ कभी संभव हुआ तो चार माह के लिए ट्रैफिक के नियम बरसात पर भी लागू किए जाएंगे। बारिश अगर तेज गति में बरसती पाई गई और सरकार का मेकअप बिगड़ा तो चालान भी बनेगा। एक बार मेकअप उतर गया तो फिर काहेका लोकतंत्र बे !

अधूरी सुविधाओं से कैसे खिलेगा बचपन?

ग्राउंड रिपोर्ट

सुनीता जोशी

आंगनबाड़ी केंद्र एक महत्वपूर्ण सरकारी पहल है जो शिशुओं और बच्चों को सही विकास के लिए संबंधित सुविधाएं प्रदान करता है. इसकी शुरुआत का मुख्य उद्देश्य पूर्व प्राथमिक शिक्षा यानी 3 से 6 साल की आयु के दौरान बच्चों को खेल खेल में शिक्षा प्रदान कर भविष्य में उनके सीखने की कला को एक मजबूत आधार तैयार करना है. यही कारण है कि देश के दूर दराज़ और सभी ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी को विशेष रूप से खोला जाता है. इसे न केवल नौनिहालों को आकर्षित करने के उद्देश्य से तैयार किया जाता है बल्कि इसका निर्माण करते समय उनकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाता है. लेकिन उत्तराखंड के दूर दराज़ पिंगलो गांव में एक ऐसा आंगनबाड़ी केंद्र खोला गया है जो इंसानी आबादी से दूर है. हालांकि इसमें बच्चों के लिए सारी सुविधाएं हैं लेकिन सुरक्षा के उचित बंदोबस्त नहीं होने के कारण अधिकतर मांएं यहां अपने बच्चों को भेजने से घबराती हैं.

यह गांव राज्य के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक से तक़रीबन साढ़े ग्यारह किमी की दूरी पर बसा है. यहां की आबादी करीब 1152 है. यहां संचालित आंगनबाड़ी केंद्र गांव से बाहर जंगल के करीब बना हुआ है. जहां जल्दी कोई इंसान नजर नहीं आता है. जंगल घने होने के कारण पेड़ के अलावा कुछ नजर नहीं आता है. ऐसे में कब और किधर से कोई जानवर आ जाए किसी को पता भी न चले. इस आंगनबाड़ी केंद्र में चारदीवारी के नाम पर छोटी छोटी दीवारें हैं जिसमें कोई गेट भी नहीं है. इसका आंगन भी इतना छोटा है कि बच्चे आराम से वहां पर न तो भाग दौड़ कर सकते हैं और न किसी किसी प्रकार से खेल सकते हैं. इस संबंध में गांव की एक 24 वर्षीय पूजा देवी कहती हैं कि वह अपनी तीन साल की बेटी को आंगनबाड़ी भेजना तो चाहती हैं, लेकिन वह जिस स्थान पर बना हुआ है वहां कई सारे खतरे हैं. एक तो यह आंगनबाड़ी जंगल के करीब है, जिससे जानवरों के आने का खतरा तो बना ही रहता है. दूसरा यह इतनी ऊंचाई पर बनाया गया है कि छोटे बच्चों का ऊंचाई से गिरने का डर भी बना रहता है. जिसकी वजह से मैं अपनी बच्ची को बहुत कम ही आंगनबाड़ी भेजती हूं. जिस दिन फ्री रहती हूं, खुद लेकर जाती हूं और छुट्टी तक वहीं रहती हूं.

वहीं एक 32 वर्षीय मंजू देवी कहती हैं कि 'मेरी बेटी 4 साल की है. जंगल के पास बने आंगनबाड़ी में अपनी बेटी को भेजते हुए बहुत डर लगता है. वहां पर अक्सर बंदर आते रहते हैं. कब कोई बच्चों पर हमला कर दे पता भी न चले. मेरी बेटी कुपोषण की अवस्था से गुजर रही है. ऐसे में वह बहुत कमज़ोर है. खुद से भाग भी नहीं पाती है. ऐसे में यदि बंदर हमला कर दे तो वह बाकी बच्चों की तरह भाग भी नहीं पायेगी.' वह कहती हैं कि आंगनबाड़ी छोटे बच्चों के लिए बहुत अच्छी जगह है. जहां वह उठना, बैठना, खेलना और पढ़ना सीखते हैं. हमारे गांव की आंगनबाड़ी में चारदीवारी और गेट की उपयुक्त सुविधा न होने की वजह से मैं अपनी बेटी को वहां भेजना फिलहाल सुरक्षित नहीं समझती हूं. यदि वह आंगनबाड़ी गांव के अंदर शिफ्ट कर दिया जाए तो सभी के लिए सही होगा. नाम नहीं बताने की शर्त पर गांव की एक अन्य महिला कहती है कि यहां संचालित आंगनबाड़ी को न केवल सुंदर और आकर्षक बनाया गया है बल्कि इसमें बच्चों के खेलने और उनमें शिक्षा के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने की व्यवस्था भी है. यहां ज़रूरत की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. लेकिन यह ऐसी जगह निर्मित की गई है जहां कोई भी माता अपने बच्चों को भेजने से घबराएगी. वह कहती हैं कि केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि जानवरों के डर से अधिकतर गर्भवती महिलाएं भी इस केंद्र पर जाने से डरती हैं.

इस आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता 38 वर्षीय मुन्नी देवी बताती हैं कि 'हमारे आंगनबाड़ी केंद्र में 18 बच्चे नामांकित हैं. यहां बच्चों के खेलने के लिए खिलौने और पढ़ने के लिए किताबें भी उपलब्ध हैं. उनके बैठने के लिए कुर्सियां और टेबल की भी अच्छी व्यवस्था है. बच्चों के लिए शौचालय की भी सुविधा है. बच्चों को पौष्टिक आहार के रूप में दलिया, गेहूं, चावल और दाल दिया जाता है. वहीं प्रत्येक सप्ताह दूध भी उपलब्ध कराया जाता है. प्रतिदिन बच्चों को ताज़ा खाना खिलाया जाता है ताकि पिंगलों के सभी बच्चे कुपोषण मुक्त हो सकें. इसके अतिरिक्त यहां पर हर तीन महीने में गर्भवती महिलाओं के लिए पोषक आहार भी उपलब्ध कराया जाता है. वहीं किशोरियों के लिए आयरन और कैल्शियम की गोली भी मुहैया कराई जाती है. लेकिन इन सुविधाओं के बीच मुन्नी देवी सुरक्षा से संबंधित कमियों को भी मानती हैं. हालांकि वह कहती हैं कि गांव से बाहर इसका निर्माण अथवा छोटी चारदीवारी को ठीक करना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है. लेकिन इसके बावजूद वह अपनी ओर से सुरक्षा की भरपूर व्यवस्था का प्रयास करती रहती हैं ताकि माताएं अपने बच्चों को भयमुक्त होकर केंद्र पर भेज सकें.'

इस संबंध में पिंगलो के ग्राम प्रधान पान सिंह का कहना है कि 'पंचायत के पास जितना बजट था, उस आधार पर मैंने चारदीवारी बनवाने का प्रयास किया था, लेकिन अभी भी वह इतनी छोटी है कि उसके ऊपर से कोई भी जानवर आसानी से आ सकता है. आंगनबाड़ी में बहुत छोटे बच्चे आते है, उनके बाहर की तरफ गिरने का भी भय रहता है. पान सिंह इस बात को भी स्वीकार करते हैं कि इस आंगनबाड़ी केंद्र का छोटा आंगन भी एक बड़ी समस्या है, जिससे यहां पर बच्चे खेल नहीं पाते हैं. सर्दियों में उन्हें ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. वह कहते हैं कि जैसे ही सरकार द्वारा इस संबंध में बजट आएगा, पंचायत इस दिशा में भी प्रयास करेगी ताकि बच्चों को खेलने का उचित वातावरण मिल सके.'

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, मिशन शक्ति के तहत पालना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) जैसी योजनाएं संचालित कर रहा है. जिसके तहत आंगनबाड़ी व पोषण 2.0 के माध्यम से माताओं और उनके छह साल से कम उम्र के बच्चों को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है. इसका उद्देश्य प्रशिक्षित कर्मियों, शैक्षिक संसाधनों, पोषण संबंधी सहायता और समग्र बाल विकास के लिए गतिविधियों के साथ एक सुरक्षित वातावरण में पूरे दिन व्यापक बाल देखभाल सहायता सुनिश्चित करना है. ज्ञात हो कि यह मंत्रालय देश भर में 13.9 लाख आंगनवाड़ी केंद्र चलाता है, जो छह साल से कम उम्र के आठ करोड़ से अधिक बच्चों की देखभाल करते हैं. लेकिन पिंगलों गांव में सभी सुविधाओं से लैस होने के बावजूद जिस प्रकार से माताओं में इसकी सुरक्षा को लेकर चिंता है, उसे दूर करने की आवश्यकता है ताकि पिंगलों के नौनिहालों का बचपन भी सुरक्षित आंगनबाड़ी में खिल सके.

(चरखा फीचर्स)

आधी आबादी की जिन्दगी का मानचित्र है 'आधा आसमान'

किताब चर्चा

मनविंदर सिंह भाटिया

समीक्षक

बड़े कथा फलक पर नयी भाषा में स्त्री-विमर्श की गढ़ी गयी रचना है 'आधा आसमान'। आधी दुनिया के भीतर उथल-पुथल,वैचारिक सोच के साथ ही भावनात्मक कशकमश और उसके मन की थाह लेती वरिष्ठ पत्रकार रमेश कुमार 'रिपु' का चौथा कहानी संग्रह है 'आधा आसमान'। तेजी से बदलते समाज में उसकी सोच 'आधी आबादी' के संदर्भ में कई मामले में दकियानुसी ही है। सोच बदले तो देश बदले। 'आधा आसमान' ट्रासजेंडर के जीवन के दुखद अध्याय के भोगे सत्य को इस तरह उजागर करता है कि उसकी पीड़ा,उसका जीवन पाठक की पीड़ा और सत्य बन जाता है। उस लड़के का क्या दोष,जिसे तन तो मिला, मगर आधा मर्द का। और मन मिला पूरी औरत का। ऐसे में उसे अपनी देह से नफ़रत करने वालों के खिलाफ़ वो आवाज़ कहां उठाए? उसके जीवन में 'आधा आसमान' है। कैसे अपने जीने के लिए पूरा आसमान बनाया,समाज की सोच से आगे की कहानी है।

कहानी के किरदार अंतस मन को छूकर एक पल के लिए स्तब्ध कर देते हैं। अंजनी का अंजली बनने तक के सफ़र में उसकी प्रेमिका निधि उसका भरपूर साथ देती है। अंजनी का अंजली बन जाने पर उसे उसकी अपनी दुनिया में हमसफ़र मिलने की कहानी दिलकश है। इस दौर में मन को छू जाने वाला हमसफ़र मिलना बड़ी बात है। उसका हमसफ़र मुंबई में सिक्योरिटी गार्ड की एजेसी का मालिक है। वह भी ट्रांसजेंडर है। बरसों बाद अंजनी की प्रेमिका उसे फोन कर बताती है कि वो शादी करने जा रही है। लेकिन उसे यह नहीं पता होता है कि अंजनी अब अंजली बन गयी। वो फोन पर उसे बताता है कि जिस शरीर से उसे नफरत थी, उससे वो मुक्त हो गयी। और कहती है,'कहते हैं किन्नर किसी को अपना एक रुपए खुशी- खुशी दे तो उसके घर बरकत होती है। तेरी शादी के लिए पांच हजार एक रुपए तुझे कोरियर कर रही हूँ। तू सदा सुहागन रहे। सदा खुश रहे। मेरी यही दुआ है। तेरी जब गोद भराई हो तो मुझे जरूर याद करना अंजली दिल खोलकर तेरे यहां नाचेगी।''सुनकर निधि का रोम रोम खुशी से नाच उठता है।

'आधा आसमान' की कहानियां जीवन के महीने धागे से बुनी गयी है। लेखक ने आधुनिक समाज के बदलते रिश्ते को वर्तमान और भविष्य के फलक पर मोहक भाषा में उकेरा है। स्त्री समस्या और स्त्री की अस्मिता को केन्द्र में रखकर समृद्ध भाषा में लिखी गयी कहानियों की रेंज शंख बांसुरी जैसी है।

'आधा आसमान' में आधी दुनिया पर कई सवाल भी उठाए गए हैं। मौजूदा समय में विवाहेत्तर दांपत्य एक सत्य के रूप में उभरा है।'दस्तक' कहानी दो ध्रुवों को सामने लाता है। सवाल यह है कि क्या पति की ज़िन्दगी में दूसरी औरत के आने से वह बदल जाता है? दूसरी औरत में ऐसा क्या देख कर पति बदल जाते हैं? मुखौटाधारी समाज में देखा गया है कि औरत को अपना कंधा देने वाले पुरुष उसे बीच सफ़र में ही छोड़ देते हैं।मजबूरी और विवशता में वह फिर एक नया कंधा तलाशती है। बार-बार माँ पति बदले तो क्या बच्चों को भी अपना पिता बदल लेना चाहिए? ये ऐसे सवाल हैं,जो समाज के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं।

जैसे जामुन में मिठास रह लेता है। प्रेम भी जीवन में ऐसे ही रहता है। हिन्दू हो या फिर मुस्लिम दोनों की देह में प्रेम ऐसे ही रहता है,जैसे समंदर के सीने में ज्वार। इसलिए समाज में प्रेम को किसी जाति के दायरे में रखना जायज नहीं है।

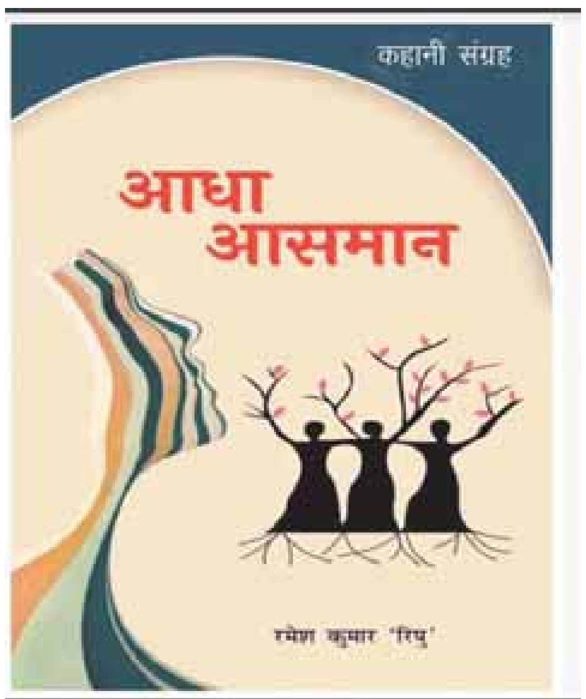

'कितनी दूरियां' एक अनछुए सवाल की ओर ध्यान खींचती है। दो अलग-अलग मजहब के लड़का और लड़की की भावनाओं का रंग जब एक है, तो उनके बीच इश्क़ का बीज अंकुरित होने पर उंगलियां क्यों उठती है? वैसे एक तरफा प्यार भी,प्यार होता है। यदि लड़की को उसके मजहब के लड़के से बेवफ़ाई मिले और दूसरे मजहब के लड़के से वफ़ा के साथ इज्जत भी,तो उनके बीच जाति और मजहब का वास्ता देकर दूरियां नहीं बढ़ानी चाहिए।

'कोई तो होगा' कहानी में गहरे सामाजिक सारोकार के मूल्यों की गूंज है।तमाम वर्जनाओं को तोड़कर एक नयी तस्वीर बनाते हैं कहानी के किरदार। कहानी के अनुसार परंपराएं टूटनी चाहिए। बेटी मेरा अभिमान है। कहने से आधी दुनिया की तस्वीर नहीं बदलेगी। बहू चाहिए। मगर,कोई यह क्यों नहीं कहता कि गृहकार्य में दक्ष लड़के के लिए सुयोग्य कन्या चाहिए। नये ज़माने की माँ को अपनी बेटी के लिए लाखों में एक लड़का चाहिए। बदलाव के लिए पहला कदम हर घर से उठना चाहिए।

औरत अपने प्यार और इच्छाओं को कभी भी एक नज़रिये से नहीं देखती। बात जब उसकी 'पहचान' और उसके वजूद पर आ जाए तो जो भी फैसला लेती है,उसे पूरी शिद्दत के साथ पूरा भी करती है। और खुद को बदलने के साथ समाज को भी बदलने वाला फैसला लेने में जरा भी संकोच नहीं करती।

'प्यार का रेशमी धागा' एक ऐसी औरती की कहानी है जो माँ बनने के लिए सारे जतन करती है। और उसके साथ बेवफ़ाई करने वाले पति को एहसास कराती है कि पत्नी के बगैर अधूरे हो। सिर्फ पत्नी ही अपने प्यार के धागे से सारे रिश्ते को बांध सकती है, बाहर वाली नहीं। कोई भी औरत तभी पूरी होती है,जब वो माँ बनती है। माँ बनने के अधिकार से कोई भी पति अपनी पत्नी को वंचित नहीं कर सकता।

संग्रह की सभी कहानियां स्त्री जीवन से जुड़ी हुई हैं। जो पाठक लम्बी कहानियां पसंद करते हैं,उन्हें लगेगा कि उपन्यास पढ़ रहे हैं।

संग्रह की कहानी 'पहचान' आधी दुनिया के जीवन में हस्ताक्षेप कर उसे बदल देने की शर्त लगाने वाले पुरुष के अभियान को ठेस लगने की बानगी है। पुरुष दुनिया बदल सकता है, मगर कोई भी औरत हो भले वो तवायफ ही क्यों न हो,उसकी पहचान नहीं बदल सकता। लेखक के अनुभव संसार में ज्यादातर कठिन संघर्ष करती और दुख सहकर भी अपने लिए नया रास्ता इजाद करने वाली औरतों से कहानियां परिचय कराती हैं। संग्रह की कहानियां पढ़ते समय अलग-अलग और स्तब्ध करने वाली शक्लों में,उससे हमारा साक्षात्कार होता है।

अपने बुजुर्ग माता पिता के साथ अनैतिक आचरण करने वाले लड़के और लड़कियों का चित्र देख सकते हैं 'समझदारी' कहानी में। कहानी बुजुर्ग हो रहे माता पिता को नेक मशविरा भी देती है कि अपने बेटा- बहू के मोह में पड़कर कभी अपनी सारी संपत्तियां उनके नाम नहीं करें। अन्यथा बुढ़ापा किसी अनाथालय आश्रम में कटेगा। इन कहानियों के माध्यम से लेखक स्त्री-विमर्श के उस पक्ष को रेखांकित किया है, जो अभी तक समाज की आँखों से परे था। समाज में मानवीय संवेदनाएं घायल है। औरत की ज़िन्दगी का व्यापक मानचित्र है 'आधा आसमान'। कहानी की भाषा मोहक है,क्यों कि इसमें उर्दू की मिठास है। इसलिए भाषा की ताजगी अंत तक बनी रहती है।

किताब - आधा आसमान

लेखक - रमेश कुमार 'रिपु'

प्रकाशक - बिम्ब प्रतिबिम्ब,पंजाब

कीमत -290 रुपए

खेती को खोखला कर देंगी जीएम फसलें

दृष्टिकोण

भारत डोगरा

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

दबावों के बावजूद यूरोपियन यूनियन (ईयू) के 27 देशों समेत कई देशों में प्रतिबंधित 'जीनेटिकली मॉडीफाइड' फसलों को दुनियाभर में पैदावार बढ़ाने के तर्क की बुनियाद पर फैलाया जा रहा है, हालांकि सब जानते हैं कि इसके पीछे अमरीकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की हवस काम कर रही है। क्या है, 'जीएम' फसलों के गुण-दोष? बता रहे हैं, भारत डोगरा। - संपादक

जेनेटिकली मोडीफाईड' फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं। हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्त्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। मैक्सिको पर पड़ौसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकर्ताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्त्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था।

इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है। हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाए कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है। ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्त्व जुड़े हैं।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि। यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है।

इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसमें उन्होंने कहा कि - 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं। इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रांसजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है।

जाहिर है, 'जीएम' व 'गैर-जीएम' फसलों का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 'जीएम' फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण हैं जिनसे इन फसलों से सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्त्ति नहीं हो सकती, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता। 'जीएम' फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए।'

वैज्ञानिकों ने इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। गंभीर दुष्परिणाम आने पर भी हम इनकी क्षतिपूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक-प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु-प्रदूषण व जल-प्रदूषण की गंभीरता का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक-प्रदूषण, पर्यावरण में पहुंचने के बाद हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है।

ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से 'जीएम' फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से 'जीएम' फसलों के गंभीर खतरों को उजागर करने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक 'जेनेटिक रुले' के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। 'जीएम' उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक-उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है।

सन् 2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई। पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं। जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत (लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं।

इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया। 'बीटी' मक्के पर 'मानसेंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए। 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है। 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं। केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए, तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। भेड़-बकरी चराने वालों ने स्पष्ट बताया कि सामान्य कपास के खेतों में चरने पर ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं पहले नहीं देखी गईं, 'जीएम' के आने के बाद ही ये समस्याएं देखी गईं। हरियाणा में दुधारू पशुओं को 'बीटी' कपास के बीज व खली खिलाने के बाद उनमें दूध कम होने व प्रजनन की गंभीर समस्याएं सामने आई हैं।

कृषि व खाद्य क्षेत्र में 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की टैक्नॉलाजी मात्र छः-सात बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में केंद्रित है। इन कंपनियों का मूल आधार पश्चिमी देशों में है। इनका उद्देश्य 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' के माध्यम से दुनियाभर की कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसा नियंत्रण स्थापित करना है जैसा विश्व इतिहास में कभी संभव नहीं हुआ। इन तथ्यों व जानकारियों को ध्यान में रखते हुए सभी 'जीएम' फसलों का विरोध जरूरी है। इसके साथ अवैध ढंग से हमारे देश में जिन 'जीएम' खाद्य उत्पादों का आयात होता रहा है उस पर पूरी तरह रोक लगाना भी जरूरी है।

इस विषय पर सबसे गहन जानकारी रखने वाले भारत के वैज्ञानिक थे, प्रो. पुष्प भार्गव। एक लेख में प्रो. भार्गव ने लिखा था कि लगभग 500 शोध प्रकाशनों ने 'जीएम' फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है। ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठा है। दूसरी ओर 'जीएम' फसलों का समर्थन करने वाले लगभग सभी पेपर या प्रकाशन उन वैज्ञानिकों के हैं जिनकी विश्वसनीयता व ईमानदारी के बारे में सवाल उठ सकते हैं।

'जीएम' फसलों के समर्थक कहते हैं कि उसे वैज्ञानिकों का समर्थन मिला है, पर प्रो. भार्गव ने इस विषय पर समस्त अनुसंधान का आकलन कर यह स्पष्ट बता दिया कि अधिकांश निष्पक्ष वैज्ञानिकों ने 'जीएम' फसलों का विरोध ही किया है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन वैज्ञानिकों ने 'जीएम' को समर्थन दिया है उनमें से अनेक किसी-न-किसी स्तर पर 'जीएम' बीज बेचने वाली कंपनियों या इस तरह के निहित स्वार्थों से जुड़े रहे हैं। आज जब शक्तिशाली स्वार्थों द्वारा 'जीएम' खाद्य फसलों को भारत में स्वीकृति दिलवाने के प्रयास अपने चरम पर हैं, यह बहुत जरूरी है कि इस विषय पर शीर्ष विशेषज्ञ प्रो. पुष्प भार्गव की तथ्य व शोध आधारित चेतावनियों पर समुचित ध्यान दिया जाए। (सप्रेस)

मेहरा समाज ने किया पगड़ी प्रथा का विरोध, मृत्युभोज न कराने पर जोर

बैतूल/मुलताई । मेहरा समाज बाहुल्य ग्राम मुलताई के घाटपिपरिया में समाज के जिला उपाध्यक्ष रामलाल उपराले के निवास पर उनकी पत्नी चंद्रकला उपराले के श्रद्धांजलि हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यतः कुरीतियों के संदर्भ में विशेष सभा एवं चर्चा की गई जिसमे तेरहवीं में पगड़ी प्रथा पर रोक एवं मृत्यु भोज न कराने पर जोर दिया गया। सभा में मुख्य रूप से मेहरा समाज के प्रांतीय संरक्षक डॉ आई पी पारधे समाज के इंदौर जिला अध्यक्ष प्रवीण डहरिया जी, मुलताई ब्लाक अध्यक्ष हरेंद्र उपराले सामाजिक बंधु नीलेश उपराले, झाड़ू पारधे, पन्नालाल बड़ोदे, बीरबल कचाहे, मेघनंद उपराले,मोहन उपराले रामदास झारखंडे नारायण पंडोले जितेंद्र झारखंडे भागचंद चौरासे एवं बड़ी संख्या में सामाजिक जन शामिल हुए।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

बैतूल। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत मूल्यांकन वर्ष 2023-24 हेतु कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी, रेशम पालन, खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों एवं कृषक समूहों से 10 अक्टूबर 2024 तक सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार, सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए है। आवेदनकर्ता कृषक आवेदन फार्म कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर आत्मा कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर सकते है। एक बार सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार (विकासखंड/जिला/राज्य/समूह) प्राप्त प्रविष्टि आगामी 7 वर्षो तक प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं की जाएगी। आवेदन पत्र आवेदक कृषक द्वारा पूर्ण भरा जाना एवं आवश्यक समस्त दस्तावेज मय फोटोग्राफ संलग्न करना आवश्यक है। अपूर्ण आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जहां स्वच्छता होती है वहां लक्ष्मी जी का वास होता है

स्वच्छता पखवाड़ा मनाया

बैतूल। स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए परन्तु इसके बाद भी हम इससे नजरअंदाज करते हैं। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा पर्यावरण-स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत में मनाया। कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ.बीडी नागले के संरक्षण में एवं जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में रासेयो अधिकारी डॉ.गोपाल साहू, शीतल खरे एवं प्रो.संतोष पवार की उपस्थिति में कॉलेज में स्वच्छता अभियान चलाया गया। डॉ.बीडी नागले ने पौधों का महत्व बताते हुए स्वयंसेवकों को पांच पौधों के रोपण के लिए प्रेरित किया। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि शास्त्रों में वर्णन है कि जहां स्वच्छता होती है वहां लक्ष्मी जी का वास होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में दुर्गा प्रसाद मोरले, अंजली नागोरे, आयुष घिड़ोड़े, रंजीत कास्दे, अर्पण पंवार, विशाल अमरूते, पलक राजगौड, शलिनी कोसे, भूमिका फाटे, आरती नागले, कामिनी खवसे, रितिशा खड़से, रोहित पारसे, भूमिश्वरी गायकवाड़, विजेता उइके, राधा बामने, हर्षलता, भारती गावंडे, आकाश दुबे, सुमिता गव्हाड़े, कुलदीप साहू, तुकाराम साहू आदि स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

गणेश विसर्जन के जुलूस में दो गुटों में बवाल

जमकर चले तलवार, चाकू और हॉकी

बैतूल। बीती रात गंज क्षेत्र में गणेश विसर्जन के दौरान दो पक्ष आपस में भीड़ गए। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच दो बार झड़प हुई और दोनों पक्षों की तरफ से जमकर तलवार और चाकू चले। घटना में कुछ युवकों को गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराने का प्रयास किया जाने लगा। इधर जानकारी मिलने के बाद हिन्दू संगठन के नेता भी मौके पर पहुंचे, लेकिन दोनों पक्षों के बीच मचा घमासान शांत नहीं हो पाया। विवाद के बाद दोनों पक्ष गंज थाने पहुंच गए। यहां भी बवाल थमने के कोई आसार नजर नहीं आने के बाद पुलिस को काउंटर मामला दर्ज करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक पूरा विवाद लोहिया वार्ड और ग्रीन सिटी के युवाओं के बीच होना बताया जा रहा है। इन दोनों ही मंडलों में बुधवार गणेश विसर्जन किया जाना तय किया गया था। जानकारी के अनुसार कुछ युवकों के बीच पुराने लेनदेन को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान ग्रीन सिटी में दो युवकों की कुछ लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। मामला शांत भी नहीं हुआ था कि इसी दौरान लोहिया वार्ड के युवकों में भी आक्रोश पनप गया और रात्रि करीब 9 बजे जैसे ही ग्रीन सिटी का जुलूस गंज मस्जिद चौक पर पहुंचा, तो दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और हिंदू संगठन के पदाधिकारी भी पहुंचे और उन्होंने मोर्चा संभाला।

पुलिस ने दोनों पक्षों पर किया मामला दर्ज- बताया जा रहा है कि मामला इतना ज्यादा गरमा गया था कि दोनों पक्षों पर पुलिस की समझाइश का भी असर देखने को नहीं मिल रहा था। जब पुलिस घायल यश, अंशुल और एक अन्य को लेकर मेडिकल के लिए जिला अस्पताल पहुंची तो यहां भी बवाल खड़ा और हाथापाई होने लगी। पुलिस ने बमुश्किल यहां पर मोर्चा संभालकर दोनों पक्ष पर सख्ती दिखाई। अस्पताल परिसर में हुई मारपीट को लेकर भी कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया है। गंज थाने में फरियादी यश की शिकायत पर अंकुश, कमल, अंशुल, अंकुश, नवीन, फरियादी अंकुश की शिकायत पर यश, गोलू और मयूर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115 (2), 351 (2) ,3 (5), के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

हिमांशु को मिली सफलता प्रेरणा का काम करेगी : विधायक खंडेलवाल

यूपीएससी पास करने पर शाल-श्रीफल से किया सम्मान

बैतूल। हिमांशु सिंह ठाकुर को मिली सफलता जिले के लिए गौरव की बात है। साथ ही प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले युवक-युवतियों के लिए यह एक प्रेरणा का काम करेगी। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आज यह बात यूपीएससी द्वारा आयोजित मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स में असिस्टेंट डायरेक्टर (कॉरपोरेट लॉ) के पद पर चयनित हिमांशु सिंह का गुलदस्ता भेंट कर शाल-श्रीफल से सम्मान करने के दौरान कही। उन्होंने हिमांशु के पिता एवं वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंह ठाकुर के गंगोत्री कॉलोनी स्थित निवास पहुंचकर हिमांशु से परीक्षा को लेकर की गई तैयारी की जानकारी लेते हुए कहा कि लगातार बच्चों के यूपीएससी एवं एमपीपीएससी में विभिन्न पदों पर चयनित होना जिले के लिए गौरव की बात है। ऐसे सुखद परिणाम बच्चों में हौसला बढ़ाने का काम करते है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में सफल होकर अधिकारी बने बच्चों से प्रतियोगी परीक्षा देने वाले को जरूरी मार्गदर्शन मिले, इसके बारे में कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर विचार किया जाएगा।

विधायक हेमंत खंडेलवाल ने हिमांशु के एशिया के सबसे पुराने एवं बेहद प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज में से एक शासकीय विधि महाविद्यालय (जीएलसी) मुंबई में प्रवेश लेने को लेकर आयोजित प्रवेश परीक्षा की जानकारी लेते हुए कहा कि इस समय क्लेट (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से बड़ी संख्या में बच्चें प्रतिष्ठित लॉ कॉलेजों में प्रवेश लेकर अपना भविष्य उज्जवल बना रहे है. उन्होंने हिमांशु से मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर रहकर किए जाने वाले कामकाज की जानकारी भी ली। गौरतलब हो कि यूपीएससी ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के 12 पद के लिए लिखित परीक्षा दिसंबर 2023 में आयोजित की थी। जिसमें सफल होने के उपरांत बीते माह 21 अगस्त को यूपीएससी भवन में दिल्ली में हिमांशु का साक्षात्कार हुआ था। जिसका बुधवार शाम परिणाम घोषित हुआ, जिसमें हिमांशु की ऑल इंडिया दसवीं रैंक आई थी। हिमांशु को मिली सफलता पर लोगों का वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंह ठाकुर के निवास पर पहुंचकर हिमांशु को बधाई देने का सिलसिला दिन भर चलते रहा।

वन क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें

संभाग आयुक्त श्री तिवारी ने बैठक में दिए निर्देश

बैतूल। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में गुरुवार को आयोजित बैठक में संभागायुक्त नर्मदापुरम संभाग श्री के.जी. तिवारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने विभाग के विकास कार्यों के लिए वनक्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए प्रकरण तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए वन विभाग को भेजें। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर समय सीमा में भूमि आवंटन के प्रकरणों का निराकरण करें, ताकि विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत विकास कार्य शुरू हो सके। बैठक में मुख्य वन संरक्षक नर्मदापुरम, कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी और हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, पंचायत के सीईओ अक्षत जैन के अलावा वन विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में वनक्षेत्र में जल निगम की पेयजल योजनाओं, जल संसाधन विभाग की सिंचाई योजनाओं, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल मार्ग के लिए भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा भी संभागायुक्त श्री तिवारी ने की।

वन विभाग की सीमा से 250 मीटर के क्षेत्र में खनिज उत्खनन की स्वीकृति हेतु लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए गठित समिति की बैठक भी संभागायुक्त श्री तिवारी की अध्यक्षता में गुरुवार को संपन्न हुई। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि इस समिति की बैठक हर माह आयोजित की जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने बैठक में निर्देश दिए कि जंगलों से लगे बाहरी क्षेत्र में खनिज उत्खनन की अनुमति देने से पूर्व वन्यजीवों की सुरक्षा और वन क्षेत्र में लगे वृक्षों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

राष्ट्रीय बधिरता रोग एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजित

बैतूल। राष्ट्रीय बधिरता रोग एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को बहरेपन की रोकथाम, शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन के उद्देश्य से एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र टिकारी में खंड चिकित्सा अधिकारी, शिशु रोग विशेषज्ञ एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ को प्रशिक्षित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य बधिरता वाले हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें समय पर उपचार दिया जाना है। उन्होंने बताया कि कान में पानी न जाने दे, कान में तरल पदार्थ न डाले, मवाद को साफ एवं गर्म कपड़े से साफ करें, मवाद में बदबू होना या खून आना गंभीर रोग के लक्षण हो सकते है, मवाद आते रहने से बहरापन हो सकता है। ऐसे लक्षण आने पर तुरंत स्वास्थ्य केन्द्र में जांच कराएं। उन्होंने बताया कि जन्म लेने वाले समस्त शिशुओं की बहरेपन की पहचान हेतु कान की जांच की जानी चाहिए, ताकि समय रहते उनका प्रबंधन कर बहरेपन से बचाया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय बधिरता सप्ताह मनाया जाएगा- सीएमएचओ श्री उइके ने बताया कि 23 सितंबर से 29 सितंबर 2024 तक जिले में अंतरराष्ट्रीय बधिरता सप्ताह मनाया जाएगा। सप्ताह में स्कूलों एवं समुदाय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत पदस्थ स्टाफ, जिले एवं विकासखंड स्तर पर पदस्थ स्टाफ तथा गैर सरकारी संगठनों के समन्वय से जिले एवं विकासखंड स्तर पर विशेष श्रवण स्क्रीनिंग एवं पहचान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बैतूल। अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुकेश की हत्या कर शव को फेंक दिया गया है। जिसकी शिकायत 27 अगस्त को इंदिरा बाई पति रमेश उईके, उम्र 47 वर्ष, निवासी अर्जुन नगर, बैतूल, वर्तमान में आमढाना थाना शाहपुर ने अपने पुत्र मुकेश उईके की हत्या की सूचना दी थी। सूचनाकर्ता ने बताया कि किसी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की। मृतक मुकेश की मां के विस्तृत बयान दर्ज किए गए, जिनमें उसने अपने पुत्र की हत्या की बात कही। जांच में पाया गया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुकेश उर्फ छोटू उईके की हत्या की गई थी। इस संबंध में थाना शाहपुर में अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की गई। 27 अगस्त को मृतक का शव बहते नाले में सड़ी-गली अवस्था में पाया गया। मृत्यु संदिग्ध प्रतीत होने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शाहपुर मयंक तिवारी एवं प्रभारी सीन ऑफ क्राइम निरीक्षक आबिद अंसारी ने एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड के साथ घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया। थाना प्रभारी शाहपुर जयपाल इवनाती की उपस्थिति में वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के निर्देशानुसार एसडीओपी शाहपुर मयंक तिवारी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी शाहपुर द्वारा एक टीम गठित की गई और अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई। जांच में पता चला कि मृतक मुकेश उईके आखिरी बार इन्द्रपाल वाडिवा निवासी बाकाखोदरी के साथ देखा गया था। 18 सितंबर को संदेही इंद्रपाल को थाना लाकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने हत्या की बात

कबूल की। इन्द्रपाल ने बताया कि उसने मुकेश के साथ गाली-गलौज और मारपीट की, फिर सिर में घूंसा मारकर, जमीन पर पटककर और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी, और शव को नाले में फेंक दिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी शाहपुर जयपाल इवनाती, निरीक्षक आबिद अंसारी, उपनिरीक्षक संदीप परतेती, सहायक उपनिरीक्षक सुनील कैथवास, आरक्षक धीरज काले, करण सिंह, शिवेन्द्र, विनय प्रताप, नीरज पान्डे, जयकिशन और साइबर टीम बैतूल की सराहनीय भूमिका रही।

चिखली कला में वृद्ध की हत्या, पुलिस पुत्र से कर रही है पूछताछ

बैतूल/मुलताई। मुलताई के दुनावा थाना अंतर्गत ग्राम चिकली कला में एक बुजुर्गों की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें पिता की हत्या की आशंका में पुलिस बुजुर्ग के पुत्र से पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हंसलाल ध्रुव सिंह तुमडाम निवासी चिकली कला का शव आज उसी के निवास पर मिला। मृतक हंसलाल के सिर और गले पर गंभीर चोट के निशान थे। पुलिस ने घटना की सूचना के बाद मृतक का शव मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां मृतक का शव परीक्षण के बाद उसके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक हंसलाल का पुत्र रामकिशोर तुमडाम शराब का आदी था और अपने पिता से शराब के लिए पैसे मांगने को लेकर आए दिन विवाद हुआ करता था, पुत्र का विवाह हो चुका था और उसके दो बच्चे भी है। परिजनों से इस बात की मिली जानकारी के बाद पुलिस ने पुत्र राम किशोर को थाना लाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शीघ्र ही मामले का जांच के बाद खुलासा किया जाएगा।

अतिवृष्टि, अफलन से नुकसान फसल का मिले मुआवजा, भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल/मुलताई। भारतीय किसान संघ की शाखा मुलताई द्वारा कृषि उपज मंडी में बलराम जयंती एवं किसान दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर आयोजित आमसभा में किसानों से संबंधित अनेक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके उपरांत भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं में तहसील परिसर पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम किसानों से जुड़ी आठ सूत्री मांगों का ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसील के बाबू को सौपा गया मुख्यमंत्री के नाम सौपे ज्ञापन में मांग की गई है कि खरीफ फसल सोयाबीन का मुल्य 6000 तत्काल किया जाए ,बागवानी, गोभी, भटा, लसन, टमाटर आदि का बिमा व मुल्य तय किया जाए, अतिवृष्टि, पिला मोजेक एवं अफलन आने के कारण किसानो की फसल नष्ट हो गयी

है जिसका सर्वे कराकर राहत राशि किसानो को दी जाए,बिजली दरो की वृद्धि एवं समय पर किसानो को बिजली नही मिल पा रही है जिसका तत्काल निराकरण किया जाए व उचित बिजली बिल दिया जाए, किसानो को अपने खेतो मे जाने आने के लिए राजस्व रिकार्ड मे दर्ज रास्ता बनाकर दिया जाए, देहगुड जल सवर्धन योजना के अंतर्गत किसानो को सिचाई के लिए जल उपलब्ध कराने जिसमे ग्राम मोही, भिलाई एवं परमंडल शामिल है जिसमे उचित कार्यवाही कर तत्काल योजना को शुरू किया जाए जिससे किसानों को लाभ मिले, प्रस्तावित लामन डोह जलाशय का निर्माण कार्य जो की पूर्व मे करवाकर किसानो को इसका लाभ दिया जाए।

सदस्यता अभियान को लेकर सौंपी जिम्मेदारी

भैंसदेही विधानसभा में अभियान को गति देने के लिए आयोजित बैठक

बैतूल/भैंसदेही। भाजपा के संगठन पर्व सदस्यता अभियान को लेकर आज बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और भैसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान ने विधानसभा क्षेत्र के दामजीपुरा, रतनपुर, भीमपुर मंडल के पदाधिकारियों की बैठक ली। भारतीय एग्रो क्लस्टर महूपानी में संपन्न हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में बैतूल और भैसदेही विधायक ने पार्टी पदाधिकारियों से संवाद कर सदस्यता अभियान को गति देने के लिए रणनीति बनाई।

पार्टी पदाधिकारी को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि गांव और मतदान केन्द्र स्तर तक पार्टी के प्रसार के लिए सभी सदस्यता अभियान में जुट जाए। उन्होंने कहा कि जन - जन को भाजपा की रीति- नीति और मध्यप्रदेश, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से

अवगत करवाकर भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें तथा सदस्यता अभियान के लक्ष्य के अनुसार सदस्य बनाने के लिए अलग अलग ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी लें। भैसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि सदयता अभियान के तहत प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेकर अधिक से अधिक सदस्य बनाना सुनिश्चित करें। बैठक में भाजपा जिला कार्यालय मंत्री सदस्यता अभियान विधानसभा प्रभारी कृष्णा गायकी, दामजीपुरा मंडल प्रभारी नितिन गौतम, मंडल अध्यक्ष भूरा यादव,अनिल उईके, कृष्णा यादव, जनपद अध्यक्ष भैयालाल इरपाचे, जनपद उपाध्यक्ष प्रेमलता कासदे, जिला पंचायत सदस्य सोनू सुनील भलावी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष उषा ढिकारे सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त अधिकारी ने पर्यटन की संभावना पर रखा विचार..

नर्मदापुरम। सोशल मीडिया पर सेवानिवृत्त अनुभवियों के क्षेत्रीय विकास को लेकर विचार-विमर्श नगर हित में माने जा सकते हैं। आए दिन विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हुए इन अनुभवियों के विचारों यहां बेबाकी से साझा किया जाने का सिलसिला देखने को मिल रहा उसी क्रम में क्षैत्रिय ग्रामीण बैंक अधिकारी पद से सेवा निवृत्त हुए अजय दुबे ने नर्मदा नदी में पर्यटन की संभावना को लेकर अपने विचार साझा किए उसमें श्री दुबे ने लिखा है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नर्मदापुरम में अपार संभावनाएं है। मां नर्मदा के तट पर स्थित होने के कारण यहां पूरे वर्ष भर श्रद्धालुओं का मेला लगा रहता है। यहां पर नौका विहार की व्यवस्था होना चाहिए जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। महेश्वर में मां नर्मदा के तट पर नौका विहार की व्यवस्था है जहां पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं है तथा काफी संख्या में पर्यटक आते हैं। हरिद्वार में राम झूले और लक्ष्मण झूले की तर्ज पर नर्मदा जी के तट पर सेठानी घाट से तट के उस पार तक पर झूले पुल की व्यवस्था होना चाहिए जिससे पर्यटन में बहुत ही लाभ होगा । नर्मदा मां के तट पर जो गुरजे बने हुए हैं उन पर पूर्ण रूप सेुधार होना चाहिए तथा एक जैसी लाइट पूरे घाट पर होना चाहिए जिससे घाट की खूबसूरती को एक अलग आयाम मिल सके। सुभाष चौक से लेकर घाट तक उसमें फूलदार पौधे लगाना चाहिए तथा सुंदर लाइटिंग कर की जाना चाहिए जिससे संपूर्ण रोड को खूबसूरती मिल सके। रोड के दोनो तरफ और घाट पर बने हुए मंदिरों का उद्धार होना चाहिए और उनकी ऐक जैसी पुताई/ पेंटिंग होना चाहिए। । घाट पर बनी रेन बसेरा और धर्मशाला को रिपेयर करके रहने की व्यवस्था और अन्य सुविधाएं होनी गुणवत्ता युक्त होना चाहिए तथा घाट के चारों और सफाई की उच्चतम व्यवस्था होनी चाहिए अभी सफाई की हालत बहुत ही गंभीर है। आप सभी से अनुरोध है कि आप अपने विचार इस प्लेटफार्म के माध्यम से अवश्य रखें।

बारिश ने खोली कमीशनबाजी की पोल

जन सरोकार

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

राजस्थान में इस वर्ष मानसून में हुई भारी वर्षा ने राज्य के सम्पूर्ण सड़क नेटवर्क को बुरी तरह क्षत विक्षत करके रख दिया। बारिश ने घटिया सड़कों के निर्माण और कमीशन बाजी की पोल खोलकर रख दी है। हालांकि भजन लाल सरकार ने सड़कों से सम्बद्ध सभी विभागों को वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों को दीपावली से पूर्व ठीक करने के निर्देश दिए है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सभी मुख्य अभियंताओं को सात-सात दिन लगाातार फील्ड में रहकर सड़क कार्यों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए है। राष्टीय उच्च मार्गों की सड़कों को छोड़ दें तो प्रदेश के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें क्षत-विक्षत हैं। प्रदेशभर में सड़कों पर चल रहा पेचवर्क का कार्य मुख्य सड़कों तक सीमित है। गली मोहल्लों की सड़कों की अभी सुध बुध नहीं ली गई है। राजधानी जयपुर में भारी वर्षा ने सड़कों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करके रख दिया है। बड़े बड़े खड्डे और गड्डों ने आमजन और वाहनों के लिए खतरे का एलान कर दिया है। कई जगह सड़कें बह जाने की जानकारी मिली है। सड़क दुर्घटनाएं बढ़ने लगी है। राजधानी की यह स्थिति है तो जिला, नगरीय और ग्रामीण सड़कों का सहज ही अन्दाजा लगाया जा सकता है। वर्षात की बात एक बारगी छोड़ भी दें तो भी आये दिन किसी न किसी विभाग की खुदाई ने सड़कों को तहस नहस कर रखा है। नगरों और महानगरों की सड़कों पर अतिक्रमण किसी से छिपा नहीं है। यूनेस्को द्वारा घोषित राजधानी जयपुर की वर्ल्ड हेरिटेज सीटी का हाल भी सही नहीं कहा जा सकता जहाँ बाजारों में सरेआम सड़क मार्गों पर हुए अतिक्रमणों ने लोगों का जीना हराम कर रखा है।

सड़कें हमारे परिवहन का मुख्य साधन हैं। जहाँ हर रोज हमारे लाखों व्यवसायिक और निजी वाहन सरपट सड़कों पर दौड़ते हैं। सड़क परिवहन ने सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कम एवं मध्यम दूरियाँ के लिए यह यातायात का सर्वाधिक सुगम एवं सस्ता साधन भी हैं। वास्तव में यह सेवा परिवहन के अन्य साधनों की सहायक है, क्योकि इसकी विश्वसनीयता, शीघ्रता, लचीलापन एवं दरवाजे तक प्रदान की जाने वाली सुविधा काफी महत्तवपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान राज्य सरकार ने शासन व्यवस्था सम्भालते ही यह घोषणा की थी कि सड़कों की प्राथमिकता से सार संभाल की जायेगी और जन भावनाओं के अनुरूप निर्माण और जीर्णोद्धार का कार्य हाथ में लेकर सर्वसाधारण को राहत दी जायेगी। मगर आज भी आप भी राज्य के किसी भी शहरी-ग्रामीण मार्ग पर चले जाइये आपको सड़कों की वास्तविकता का ज्ञान हो जायेगा। जयपुर प्रदेश की राजधानी है। यहाँ हजारों वाहन सड़कों पर प्रतिदिन विचरण करते हैं। इन सड़क मार्गों पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य वी.आई.पी. लगभग रोज ही आते-जाते हैं। यहाँ छोटी-मोटी मिलाकर हजारों सड़कें हैं जो समुचित देख-रेख के अभाव में घायल अवस्था में पड़ी हैं। जे.डी.ए. और नगर निगम के सड़क मरम्मत के वाहन कहीं-कहीं देखने को मिल जायेंगे मगर गुणवत्ता के अभाव में इनके लगाये पैबंदों की स्थिति कुछ ही दिनों में पुरानी स्थिति में लौट आती है। राजधानी की सड़कों की यह स्थिति है तो प्रदेश की जिला, नगर और ग्रामीण सड़कों का सहज ही अन्दाज लगाया जा सकता है।

प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति में अतिक्रमण, अवैध कब्जों और यातायात की बिगड़ी व्यवस्था ने कोढ़ में खाज का काम किया है। विशेषकर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सड़कें अतिक्रमण के कारण सिकुड़ कर रह गई हैं। राजधानी जयपुर सहित इस समय प्रदेश के सभी मेट्रो सिटी यातायात की सुचारू व्यवस्था नहीं होने से आम आदमी परेशानी को झेल रहा है। राजधानी में परकोटे की स्थिति सबसे खराब है। परकोटे के मुख्य बाजारों किशनपोल, त्रिपोलिया, जौहरी बाजार, रामगंज बाजार, छोटी-बड़ी चौपड़ की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वाहनों के बढ़ जाने के कारण और सड़कों पर अतिक्रमण के फलस्वरूप यहाँ ट्रैफिक की व्यवस्था बुरी तरह बिगड़ गई है। अतिक्रमण और अवैध कब्जों ने इन बाजारों की शांति का जैसे किसी ने हरण कर लिया है। ऑपरेशन पिंक के दौरान अवैध कब्जे और अतिक्रमण को हटाकर आम नागरिक को राहत दी गई थी मगर अब फिर से अतिक्रमण की पुरानी स्थिति बहाल होने से आम आदमी आहत है। एक बार फिर राजधानी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। लोग चार पहिया वाहन लेकर जाने में डरने लगे हैं।

जन अभियान परिषद ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्राथमिक शाला सोसारखेड़ा में सफाई की

सुबह सवेरे सोहागपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने प्रदेश शासन के विशेष अभियान 'स्वच्छता ही सेवा' के अंतर्गत विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले के मार्गदर्शन में ग्राम सोसारखेड़ा प्राथमिक शाला परिसर में सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर मेंटर सचिन विश्वकर्मा, मंजु पंवार के साथ शाला के छात्र-छात्राओं

शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ द्वारा शाला प्रांगण की सफाई अभियान चलाया । वहां पर प्लास्टिक की बोतले पन्नी एवं कचरे को हटाया गया। इसी क्रम में सेक्टर क्रमांक 3 में स्वच्छता रैली निकाली गई । रैली श्याम सिंह मीना की अगुवाई में संचालित की गई। वहीं सभी को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ग्रहण दिलाई गई । इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद में एमएसडब्ल्यू छात्र शिवानी मेहरा, भूमि धोरे प्राचार्य एवं शिक्षक गण भी उपस्थित थे। इसी तारतम्य में विकास खंड सोहागपुर में मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों के द्वारा जिला समन्वयक, विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले के मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ सोहागपुर में किया गया। इस दौरान राम मंदिर परिसर की साफ सफाई की गई ।गया । जन अभियान परिषद ने निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें स्वच्छता पर अपने अपने संदेश लिखे गए। इस अवसर पर नवांकुर संस्था से संदेश मिश्र, परामर्शदाता सचिन विश्वकर्मा, मेहरवान सिह आदि मित्र मंडली का सहयोग रहा।

नगर में स्वच्छता का संदेश देने निकली छात्राएं

सुबह सवेरे सोहागपुर। नगर पंचायत परिषद 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़े के तहत आज शासकीय कन्या शाला की छात्राओं ने नगर में स्वच्छता का संदेश देने निकाली गई साईकिल रैली। इस अवसर साईकिल रैली नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई। इस अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या सुनीता गढ़वाल, अनूप सोनी ,वर्षा मेहर,शकील खान,अनूप सोनी,ज्योति मंडलोई पवन खरे, आभा चंदेल ,अजयलाल ,खेल समन्वयक चंदा मिश्रा,नगर पंचायत परिषद के नीरज मलैया ,प्रांजुल दीवान , दीपक कुमार आदि उपस्थित थे।

'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े में वाहन चालकों की बैठक

सुबह सवेरे सोहागपुर।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नगर पंचायत परिषद के सभागार में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने नगर पंचायत परिषद के समस्त वाहन चालकों की बैठक ली। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने समस्त कचरा संग्रहित करने वाले वाहन चालकों को समय पर कार्य करने,वाहनों के रखरखाव,कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें की बात कही। वाहन चालकों को निर्देश दिया गया कि नगर के समस्त वार्डो से 100 प्रतिशत कचरा संग्रहित किया जाए। किसी भी गली को कचरा संग्रहित करने से नहीं छोड़ा जाए । आपने अंत में कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में शासन की गाइडलाइन का पालन करें।

शासकीय विद्यालयों में दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की थीम पर जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा 2024 के तहत शासकीय विद्यालयों में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमगांव छोटा, शासकीय एकीकृत हाईस्कूल सिरसिरी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमगांव बड़ा, शासकीय हाईस्कूल बारह छोटा, सीएम राइज एसडीएम कन्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय नवीन माध्यमिक शाला सगौनीखुर्द (तेली) सहित अन्य विद्यालयों में में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ ली। उन्होंने संकल्प लिया कि वे अपने विद्यालय और घर के आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखेंगे और स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का इंदौर एयरपोर्ट पर केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने अगवानी कर किया स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धार जिले के बाग प्रिंट कलाकार से कहा ऐसे ही उमंग से काम करते रहना

धार। राष्टपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास के तहत बुधवार को इंदौर पहुंची। देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति मुर्मू की अगवानी एवं स्वागत राज्यपाल मंगुभाई पटेल , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, धार जिले के प्रभारी मंत्री तथा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित गणमान्यजन ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने इंदौर के प्रतिष्ठित मृगनयनी एम्पोरियम में कुशल कारीगरों से संवाद किया। उन्होंने मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्त और वस्त्र कला की सराहना कर कारीगरों को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रपति को बाग प्रिंट की साड़ी भेंट की गई

मृगनयनी एम्पोरियम में सबसे पहले राष्टपति धार जिले की बाग प्रिंट के कलाकार राष्टीय पुरस्कार प्राप्त मुबारिक खत्री से रूबरू हुई। उनसे पूछा कितनी पीढ़ी से यह काम कर रहे हो। खत्री ने बताया कि यह हमारी 11वीं पीढ़ी है। इसी बीच खत्री ने उन्हें प्रिंट करके दिखाया, तब राष्ट्रपति ने उनसे कलर को टिकाऊ रखने का तरीका समझा। खत्री ने उन्हें बाग प्रिंट की एक साड़ी भी भेंट की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऐसे ही उमंग से काम करते रहना।

अंतर्राष्ट्रीय साईन लैंग्वेज दिवस 23 सितम्बर को मनाया जाएगा

धार। म.प्र. शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा दिव्यांगजन (श्रवण बाधित) के अधिकार और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय साईन लैंग्वेज दिवस के अवसर पर 23 सितम्बर को कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुए है। इस संबंध में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे दिव्यांगता के क्षेत्र में संचालित शासकीय, अशासकीय संस्थायें, जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद (आर.सी. आई.) अंतर्गत पंजीकृत संस्थायें, स्कूल शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित कर, दिव्यांगजनों (विशेष रूप से श्रवण बाधित) के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 अनुसार अधिकार एवं सुविधाओं से जागरूकता लाये जाने हेतु कार्यक्रम का आयोजन जाये। जिला स्तर के कार्यक्रम आयोजन के लिये जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र धार को कार्यक्रम आयोजन का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अंत्योदय से सर्वोदय भाजपा का मूल मंत्र : अमिता चपरा

युवाओं को भाजपा की रीती नीति व विचारधारा से जोड़कर संगठन बनायेंगे मजबूत : जालम सिंह

नरसिंहपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा सदस्यता अभियान के अंतर्गत गोटेगाँव विधानसभा के चारों मंडलों क्रमशः गोटगांव नगर, गोटेगांव ग्रामीण, करकबेल व मुंगवानी मंडल में सदस्यता अभियान चलाया गया,सदस्यता अभियान को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिला प्रभारी अमिता चपरा ने कहा कि संगठन पर्व के अंतर्गत सदस्यता अभियान के माध्यम से अंत्योदय से सर्वोदय भाजपा का मूल मंत्र के साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाना है। कार्यकर्ता हर मोहल्ले, हर गांव, हर घर में जाकर पार्टी की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने के लिए भाजपा से जुड़ने की अपील की।पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान 2024 पूरे मध्यप्रदेश में जोरों-शोरों से चल रहा है भाजपा कार्यकर्ता इस कार्य को कर्तव्यनिष्ठा के साथ हर बूथ पर कर रहे हैं। आज इस डिजिटली अभियान के तहत मिस कॉल, क्यू आर कोड, वेबसाइट और नमो एप के माध्यम से सदस्य बनाएं जा चुके हैं। ये अभियान प्रत्येक बूथ पर ज़ोर शोर से चल रहा है।'युवाओं सहित प्रत्येक वर्ग को को भाजपा की रीती नीति व विचारधारा से जोड़कर संगठन मजबूत बनायेंगे। गोटेगाँव विधायक महेंद्र नागेश ने कहा कि हम पिछली बार के सदस्यता अभियान की तुलना में इस बार अधिक गति से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता हर क्षेत्र में हर वर्ग के लोगों के पास जा रहे हैं और अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनाए जा रहे हैं। हम ग्रामीण क्षेत्रों में जन जन तक पहुंचकर भाजपा परिवार से जोड़ने का कार्य कर रहे है,युवा मोर्चा जिला प्रभारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा ने कहा कि एक मजबूत राष्ट निर्माण व विश्व गुरू भारत के लिए हर व्यक्ति राष्ट प्रथम की भावना के साथ अपना योगदान देना चाहता है। यही कारण है बड़ी संख्या में लोग भाजपा की सदस्यता अभियान से जुड़ रहे है। भारतीय जनता पार्टी अपने परिवार को सदस्यता के माध्यम से विस्तारित कर रही है और युवा मोर्चा कार्यकर्ता पूर्ण जोश और उत्साह के साथ सदस्यता अभियान में सक्रिय रूप से सहभागिता कर रहे है। सदस्यता टोली के सदस्य विशाल सिंह पटेल ने कहा कि हर परिस्थिति मे हमारा कार्यकर्ता कार्य करता है, वह पूर्व दृढ़ निश्चय के साथ सदस्यता अभियान को एक नई दिशा देते हुए अपने लक्ष्य को पूर्ण करेगा।भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन ने कहा कि युवा मोर्चा विविध प्रकार के नवाचार के साथ अपनी पूरी ताकत से संपूर्ण नरसिंहपुर जिले में बूथ स्तर तक सक्रियता के साथ युवाओं को पार्टी से जोड़कर भाजपा को सशक्त बनाने मे पूर्ण जिम्मेदारी के साथ काम कर रहा है।

विवेकानंद पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं ने बनाई मानव श्रृंखला

सुबह सवेरे सोहागपुर। प्रदेश सरकार के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 2 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नगर पंचायत परिषद ने विवेकानंद पब्लिक स्कूल परिसर में स्वच्छता का संदेश देने के लिए मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया।इस आयोजन में विवेकानंद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं के मानव श्रृंखला में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत परिषद के नीरज मलैया ने संबोधित करते कहा कि वर्तमान में बीमारियों से बचने के लिए घरों के आसपास कहीं भी गंदगी न होने दें।साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। मकानों के पास सफाई करके स्वच्छता में सहभागी बनकर प्रदेश सरकार के स्वच्छता ही सेवा को सफल बनाएं।इस अवसर पर बीईओ आर.बी. चौधरी, शाला प्राचार्या अनीता गहरैया,संचालक अनिल गहरैया,शिक्षिका सोनिया चौधरी,गीता बनर्जी, खेल समन्वयक चंदा मिश्रा ,नगर पंचायत परिषद के नीरज मलैया, प्रांजुल दीवान एवं दीपककुमार आदि उपस्थित थे। विवेकानंद पब्लिक स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने भी स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम में अपना योगदान दिया।

पिपरिया में जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव मेले में सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने 20 प्रथम पुरस्कार जीते

सुबह सवेरे सोहागपुर।

पिपरिया में जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव एवं वैदिक गणित विज्ञान मेले में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के भैया बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके विभिन्न विधाओं में 20 प्रथम पुरस्कार अर्जित किए। इस अवसर पर विभाग समन्वयक रामकुमार व्यास, सरस्वती शिशु मंदिर पिपरिया प्राचार्य निरंजन जी वैष्णव, बसंत पटैल, सरस्वती शिशु मंदिर प्राचार्य इटारसी अवधेश जी, बनखेड़ी प्राचार्य साजन द्विवेदी, सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर प्राचार्य अशोक कुमार दुबे आदि उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ने बताया कि प्रथम पुरस्कार विजेता विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव एवं वैदिक गणित विज्ञान मेला हरदा में नर्मदापुरम जिला की तरफ से सहभागी होंगे। प्रतियोगिता में तात्कालिक भाषण -तरुण वर्ग में प्रथम

स्नेहा पटेल निबंध --किशोर वर्ग प्रथम

यशोदा गोस्वामी ,निबंध -तरुण वर्ग प्रथम

रितिका सराठे ,निबंध बाल वर्ग प्रथम

राजेश्वरी पटेल ,एकल अभिनय- तरूण वर्ग प्रथम साक्षी उमरे ,रंगोली-- किशोर वर्ग प्रथम

महिमा कहार,स्वरचित कविता- शिशु वर्ग प्रथम आरती पुरवइया,स्वरचित कविता -किशोर वर्ग प्रथम महिमा सराठे,स्वरचित कविता बाल वर्ग प्रथम

महक ठाकुर,व्यक्तिगत गीत -शिशु वर्ग प्रथम

देवानशी बनवंशी ,चित्रकला- किशोर वर्ग प्रथम

रितिक साहू ,सामान्य ज्ञान प्रश्न मंच -शिशु वर्ग टीम प्रथम गौरी रघुवंशी, कृष्णा सिंह ठाकुर एवं बंदिता पठारिया,भजन- बाल वर्ग प्रथम सृष्टि कुशवाहा,

विज्ञान प्रश्न मंच -बाल वर्ग टीम प्रथम अंजली कुशवाहा, ऋतिक पुरबिया एवं अंश पुरबिया, विज्ञान मॉडल- सेंसर किशोर वर्ग प्रथम मुस्कान पटेल, ,विज्ञान मॉडल -नवाचार किशोर वर्ग प्रथम अनामिका पटेल ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दबदबा कायम रखा। विभाग समन्वयक रामकुमार व्यास,प्राचार्य अशोक कुमार दुबे, सांस्कृतिक प्रमुख संतोष चौरसिया, सुधार मीना , लाल साहब पटैल, हेमन्त बाला, प्रदीप देवलिया,ममता यादव, कल्पना शर्मा, कृष्णा मालवीय,संतोष देवलिया,संजय नागवंशी, दीपशिखा पुरोहित अंजली मंडलोई, ज्योति मीना, रूचि दुबे आदि ने सभी को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अतिशेष की आड़ में शिक्षा विभाग में बेमौसम तबादलों की बरसात

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा नर्मदापुरम के कलेक्टर के पद पर सोनिया मीणा की पदस्थापना को लेकर की गई टीका- टिप्पणी से मध्यप्रदेश के आईएएस अफसरों को 'बुरा' लग गया। उनके एसोसिएशन ने सफाई जारी कर दावा किया कि पदस्थापना 'योग्यता और पद की आवश्यकता' को देखकर की जाती है। हर मुख्यमंत्री अपनी सुविधा के तराजू में अफसर की योग्यता और पद की आवश्यकता को ध्यान में रखकर ही पदस्थापना करता है। कभी किसी अफसर के बारे में यह सुनने को नहीं मिलता की वे जिस पद पर पदस्थ किए गए थे, उसकी योग्यता नहीं रखते थे। कोई मुख्य सचिव की आंखों का तारा होने के कारण योग्य हो जाता है तो कोई विचारधारा के आधार पर योग्यता का धारण करता है। योग्यता के अलावा पद की आवश्यकता भी पदस्थापना में एक कारक तत्व है। आवश्यकता बहस का मुद्दा नहीं हो सकता। बहस इस विषय पर हो सकती है कि आईएएस अफसर ने अपने पद पर रहते हुए जन सुविधा और नीति-नियमों का कितना पालन किया? भिंड के कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव यदि धर्म देखकर कार्यवाही करते हैं तो वे 'सेवा नियमों' के उल्लंघन के दोषी खुद हो जाते हैं। यहां पद को संजीव श्रीवास्तव की आवश्यकता दिखाई देती है। शिक्षा विभाग में अधीनस्थ अफसरों के इशारे पर ही बड़े साहब फैसले ले रहे हैं। संभव है बड़े साहब के दस्तखत की फाइल को मंत्री बिना पढ़े 'चिड़िया' बना रहे हो? कई विभागों में ऐसा होता है। शिवराज सिंह चौहान के राज में तो योग्य अफसरों के आगे मंत्री भी कुछ नहीं बोल पाते थे। मौजूदा दौर में भी 'अफसर राज' कायम है। जहां मंत्री दमदार हैं ,वहां जरूर लोकशाही दिख जाती है। लेकिन, जहां अफसर विभाग चला रहे हैं वहां हाहाकार मचा हुआ है। स्कूल शिक्षा विभाग इसका बड़ा उदाहरण है।

मध्यप्रदेश में जिनके बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ रहे हैं या कोई नाते-रिश्तेदार अथवा जान पहचान वाला मास्टर है,उसे पता है कि स्कूल शिक्षा विभाग में अतिशेष का क्या खेल चल रहा है। आयुक्त लोक शिक्षण के स्तर पर 'प्रौढ़ शिक्षा' लॉबी इतनी ताकतवर है कि वह अपनी योग्यता से पूरी सरकार चला सकती है। अतिशेष कौन है? किस नियम से है कोई नहीं जानता। अफसर ही तय कर रहे हैं। छात्र संख्या के मान के आधार पर अफसरों ने शिक्षकों का नया सेटअप विभागीय मंत्री से मंजूर कराया और पिछले दरवाजे से तबादलों का रास्ता खोल लिया। प्रदेश में अभी तबादलों पर रोक लगी हुई है। अकेला स्कूल शिक्षा विभाग ऐसा है जहां मास्टर पढ़ाई छोड़कर आयुक्त लोक शिक्षण के चक्कर लगा रहा है। इतनी भीड़ है कि रोज मास्टरों को कार्यालय में घुसने से रोकने के लिए पुलिस बुलाना पड़ती है। मंत्रालय में बैठे आला अफसर इस बात को जानते हैं कि शिक्षा सत्र शुरू हो जाने के बाद मास्टरों के तबादले नहीं किए जाने चाहिए। अभी तो तिमाही परीक्षा भी शुरू हो चुकी है। मास्साब परीक्षा की तैयारी कराने के बजाए अपनी नौकरी बचाने में लगे हुए हैं। संचालनालय में बैठे अफसरों का फरमान है कि मास्टर रोज चालीस-चालीस मिनट के छह पीरियड ले। 'इतिहास' वाला मास्टर 'भूगोल' भी पढ़ाए। अतिशेष के नाम पर यही हो रहा है। उत्कृष्ट विद्यालयों में परीक्षा देकर पद पाए मास्टरों को भी अतिशेष कर दिया। जिले और ब्लॉक के उत्कृष्ट विद्यालय के लिए मापदंड भी अलग-अलग बना रखे हैं। जिले के उत्कृष्ट विद्यालय के स्नातकोत्तर मास्टर को हटाया नहीं जा रहा है। लेकिन, ब्लॉक के उत्कृष्ट विद्यालय से हटाया जा रहा है। शायद सोच यह है कि गांव के बच्चे को अच्छे मास्टर की क्या जरूरत? बच्चे ऐसे में क्या करें। वो परीक्षा में यदि यह जवाब दे कि नर्मदा का उद्गम स्थल 'जबलपुर' है तो मानना ही पड़ेगा और नंबर भी देने होंगे। उसे यह कौन पढ़ाएगा कि नर्मदा उद्गम स्थल 'अमरकंटक' है। सरकार की नीति और नीयत स्कूल चलाने की नहीं है। जिस तरह से सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं से दूरी बनाना चालू किया है, उसी तरह की स्थिति शिक्षा में भी दिखाई दे रही है।

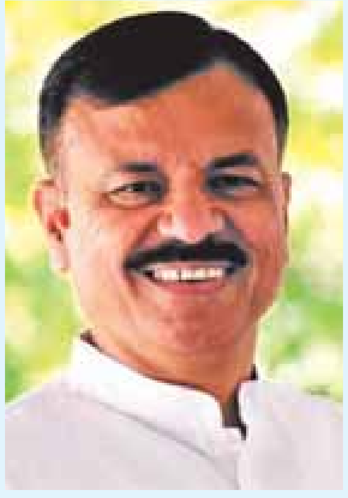

निजी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाना लोगों की मजबूरी है। हैं। शिक्षकों की कमी के चलते राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण कार्य संभव ही नहीं हो पा रहा है। यह खुलासा शिक्षा पोर्टल पर अपलोड आंकड़ों से हुआ है। 5 साल में 30 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई है, लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में प्रदेश के छात्रों को क्वालिटी की शिक्षा मिलना मुश्किल है। प्रदेश में 1 लाख 22 हजार स्कूलों में 1 करोड़ 10 लाख छात्र पढ़ रहे हैं।

प्रदेश के बड़े शहरों के स्कूल भी शिक्षक विहीन हैं। भोपाल के 7, ग्वालियर के 18, इंदौर के 16 और जबलपुर के 15 स्कूल शामिल हैं। भोपाल के 43 स्कूलों में एक शिक्षक पहली से पांचवीं तक की कक्षाओं में पढ़ा रहे हैं। अतिशेष शहरी क्षेत्रों में भोपाल में सबसे अधिक है। शहर में 1036 अतिशेष शिक्षक हैं। उसके बाद ग्वालियर- 1038, इंदौर- 1131, सागर- 1145, सतना- 1094, जबलपुर- 700, भिंड- 929, बालाघाट- 925, देवास- 801, रीवा- 965, राजगढ़- 948 और भिंड- 929 का नाम आता है। दूसरी और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की स्थिति यह है कि दूसरी कक्षा तक के 66 प्रतिशत बच्चे कखग और एबीसीडी के अक्षर भी नहीं पहचान पाते हैं। इसी प्रकार 53 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जो दो अंको की गिनती भी नहीं पहचानते हैं। हालांकि सरकार का दावा है कि वर्ष 2022 की अपेक्षा इस बार सरकारी स्कूलों में सुधार हुआ है।

अतिशेष के नाम पर शिक्षकों को सरकार ताश के पत्ते की तरह फैंट रही है। बड़े पैमाने पर मास्टरों के तबादले हो रहे हैं। जबकि तबादलों पर रोक है। यह रोक अतिशेष जैसे मामलों पर लागू नहीं होती। इसका फायदा योग्य अफसर उठा रहे हैं। अति योग्य अफसर फाइल पर दस्तखत कर रहे हैं। अतिशेष को खाली पद पर भेजने के बाद जहां शिक्षकों की कमी होगी वहां अतिथि शिक्षक क्लास लेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की इस बात के लिए तारीफ की जाना चाहिए कि उन्होंने यह कहने का साहस दिखाया कि अतिथि शिक्षक मेहमान हैं, मेहमान ही रहें। घर पर कब्जा करने की न सोचें। अतिथि शिक्षक को नियमित करने का खेल सरकार में उसी तरह चल रहा है जिस तरह दैनिक वेतन भोगियों को नियमित करने का चला था। यह सरकारी नौकरी स्थायी पद पाने का पिछला दरवाजा है। योग्य नौकरशाहों को योग्यता का सम्मान करने वाली नीतियां बनाना चाहिए। अतिथि शिक्षकों को लेकर ही ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि सरकार ने वादे पूरे नहीं किए तो वे सड़क उतर आएंगे। इसके जवाब में कमलनाथ ने चिढ़ते हुए अंदाज में जवाब दिया था कि तो उतर जाएं। इसके कुछ दिन बाद सिंधिया ने अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़ दी थी। कमलनाथ की सरकार अल्पमत में आने के कारण भाजपा अपनी सरकार बनाने में सफल हो गई थी। शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी अतिथि शिक्षकों को नियमित करने का निर्णय नहीं लिया। उन्हें अनुभव के अंक शिक्षक भर्ती परीक्षा में देने का निर्णय जरूर लिया। अब राव उदय प्रताप सिंह ने साफ कह दिया कि मेहमान को मेहमान ही रहना चाहिए।

'अतिशेष और युक्तियुक्त' कारण साल दर साल नहीं चल सकता। अतिशेष की स्थिति बनी क्यों, यह भी अध्ययन करने की जरूरत है। अतिशेष के नाम पर शिक्षकों का योग्य अफसर शोषण न करें यह देखने की जिम्मेदारी भी शिक्षा मंत्री को लेना चाहिए। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन के लिए जिला स्तर पर काउंसलिंग का शासकीय शिक्षक संगठन ने खुलकर विरोध किया। संगठन का कहना है कि बार-बार बताया गया कि अतिशेष की सूची में सैकड़ों गड़बड़ी हैं, फिर भी लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारी काउंसलिंग पर अड़े रहे। रविवार को भोपाल में हुई श्रेणी-2 के अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग में महिला शिक्षकों को परेशान होते देखा गया है। संगठन कहता है कि यह आपत्तिजनक है कि दूर दराज से आई महिला शिक्षकों को काउंसिलिंग के लिए देर रात तक रोका गया। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में हर साल शिक्षकों को यहां से वहां किया जाता है। अतिशेष शिक्षकों की सूची बनाकर उन्हें उन स्कूलों में भेजने का दावा होता है, जहां शिक्षक नहीं हैं। स्थिति यह है कि कुछ जिलों के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, तो शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में 28,815 अतिशेष शिक्षक हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का उज्जैन आगमन पर आत्मीय स्वागत

राज्यपाल श्री पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगवानी की

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का गुरुवार को मालवा की धरती उज्जैन आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। राष्ट्रपति के सम्मान में रेड कारपेट बिछाया गया। राष्ट्रपति की अगवानी राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मिनिस्टर

इन वेटिंग उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने की। राष्ट्रपति का स्वागत महापौर श्री मुकेश टटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, विधायक श्री सतीश मालवीय सहित श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, श्री विवेक जोशी, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता, आईजी श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने भी किया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महाकाल मंदिर में दर्शन कर पूजन अर्चन किया

नन्दी मण्डप में ध्यान भी किया

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज अपने उज्जैन प्रवास के दौरान बाबा महाकालेश्वर के दर्शन किये। उन्होंने बाबा महाकालेश्वर का जल एवं पंचामृत से अभिषेक कर विधिवत पूजन, अर्चन एवं आरती की। उन्होंने देश एवं प्रदेश की उन्नति, जनता के कल्याण और विश्व-शान्ति के लिये बाबा महाकाल से प्रार्थना की। श्रीमती मुर्मू ने नन्दी हॉल में बाबा महाकालेश्वर का ध्यान भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उपस्थित थे।

पूजन के बाद राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू का मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति की ओर से अंगवस्त्र, प्रसाद एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। पूजन पं. आकाश पुजारी द्वारा करवाया गया। सहायक पुजारी श्री शैलेंद्र शर्मा, श्री राम पुजारी, श्री अभिषेक शर्मा और श्री अजय पुजारी भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, सफाईकर्मियों से किया संवाद

भगवान महाकालेश्वर को अर्पित किये गये फूलों से बनाई सामग्री की प्रशंसा की

उज्जैन/भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उज्जैन के ग्राम ढेंडिया में रुद्राक्ष होटल में स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने अनुपयोगी कपड़ों से नवजात बच्चों के लिए बनाई गई दुलार किट, नारियल के अपशिष्ट और गोबर से बनाये गये उत्पाद, सूखे कचरे का सही निपटारा कर बनाये गये बहुउपयोगी उत्पाद और श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में अर्पित किए गये फूलों और निर्माल्य से बने उत्पाद, अगरबत्ती एवं अन्य उत्पाद बनाने की मशीन, निर्माल्य प्र-संस्करण, सफाई मित्रों के लिए सुरक्षा उपकरण एवं संसाधन और शून्य अपशिष्ट आयोजन के स्टॉल का अवलोकन किया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु द्वारा प्रदर्शनी स्थल पर मौजूद सफाईकर्मी श्रीमती पुनम सारवान, श्री दीपक थनवार, श्रीमती विधि संगत, श्रीमती राधा धावरे और श्रीमती ज्योति टांक से संवाद किया गया। उन्होंने सफाईकर्मियों से परिचय प्राप्त किया और साथ में मौजूद राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर संकेत करते हुए पूछा कि आप इन्हें जानते हैं। इस पर

सफाईकर्मियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव तो हमारे यहां के ही हैं।

राष्ट्रपति द्वारा भगवान महाकालेश्वर को अर्पित किए गये फूलों से अगरबत्ती बनाने वाली मशीन का अवलोकन किया गया। स्टॉल पर मौजूद श्रीमती शकुंतला मालवीय, शांतिबाई चौधरी और श्रीमती कविता परमार के द्वारा उन्हें जानकारी दी गई कि भगवान को चढ़ाये गये फूलों से अगरबत्ती निर्माण कर पुनः उनका उपयोग रिसाईकल कर किया जाता है। इस पर राष्ट्रपति द्वारा प्रशंसा व्यक्त की गई। बताया गया कि अन्य प्रमुख मंदिरों में भी शीघ्र ही यह व्यवस्था प्रारम्भ की जायेगी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को उज्जैन से प्रस्थान पर दी भावभीनी विदाई– राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को उज्जैन से प्रस्थान करने पर भावभीनी विदाई दी गई। हेलीपैड पर राज्यपाल श्री पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता, आईजी पुलिस श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

शिल्पकारों द्वारा बनाई गई मूर्तियां उत्कृष्ट : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने महाकाल लोक के शिल्पकारों से संवाद किया

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को उज्जैन में श्रीमहाकाल लोक में पाषाण की मूर्तियों का निर्माण करने वाले शिल्पकारों से मिलकर संवाद किया और उनके द्वारा बनाई जा रही मूर्तियों को उत्कृष्ट बताया। राष्ट्रपति से शिल्पकार श्री ईश्वर चन्द्र महाराणा, शिल्पकार श्री आदित्य महाराणा, शिल्पकार श्री सुरेश कुमार ओझा, शिल्पकार श्री अक्षय कुमार महाराणा से त्रिवेणी सभा मण्डपम में भेट कर संवाद किया। सभी शिल्पकार ओड़िशा प्रदेश के पुरी जिले के रहने वाले हैं। जब राष्ट्रपति ने शिल्पकारों से संवाद किया तब सभी शिल्पकार काफी उत्सुक थे। खुशी से उनकी आँखे भर आई।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने शिल्पकारों से संवाद में कहा कि आप श्रीमहाकाल लोक में मूर्ति का निर्माण कर रहे हैं, यह पूरे देश और विशेषकर ओडिशा राज्य के लिये गर्व का विषय है। उन्होंने शिल्पकारों द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी ली। राष्ट्रपति ने शिल्पकारों से कहा कि पढ़ाई सभी लोग करते हैं, लेकिन कला सबके पास नहीं होती है। आपके द्वारा किए जा रहे कार्य बहुत सराहनीय है। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने शिल्पकारों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। शिल्पकारों द्वारा राष्ट्रपति को पाषाण का शिवलिंग भेंट किया।

शिल्पकारों को एक-एक लाख रुपए किए जाएंगे प्रदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

श्रीमहाकाल लोक में शिल्पकार शिव, कमल, सप्त ऋषियों इत्यादि की मूर्तियां बना रहे हैं। मूर्तियां बनाने का अधिकांश कार्य पूर्ण होने की कगार पर है। शिल्पकारों ने देश भर में पत्थर की अनेक मूर्तियां और मंदिर निर्माण किए हैं। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इन शिल्पकारों को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी।

भोपाल वन विहार की अकेली व्हाइट टाइग्रेस की मौत

2 दिन से खाना नहीं खा रही थी 'रिद्धि', 2013 में इंदौर जू से लाई गई थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क की एकमात्र सफेद बाघिन अब नहीं रही। 15 साल की टाइग्रेस रिद्धि की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। 2 दिन से खाना भी नहीं खा रही थी। गुरुवार को उसकी मौत हो गई।

4 साल की उम्र में रिद्धि को इंदौर के जू से वन विहार में 28 दिसंबर 2013 में लाया गया था। तब से वह वन विहार में टूरिस्ट्स के लिए आकर्षण का केंद्र थीं। टूरिस्ट खासतौर पर सफेद बाघिन को देखने आते थे। वन विहार में उसे डिस्प्ले वार्ड में रखा गया था। वह इंदौर जू से आदान-प्रदान योजना के तहत वन विहार में लाई गई थी।वन विहार में सिद्धी एक मात्र सफेद बाघ थी। अब वन विहार में 15 बाघ हैं।

रात में हुई मौत, सुबह जांच– सफेद बाघिन रिद्धी की 18-19 सितंबर की रात में मौत हुई। गुरुवार सुबह वह अपने हाउस में पड़ी मिली। वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता ने जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इससे पहले बुधवार को वह अपने हाउसिंग में सामान्य हालत में ही थी। वन विहार प्रबंधन के अनुसार, पिछले 2 दिन से रिद्धी ने अपना नियमित भोजन नहीं लिया था। हालांकि, ऐसा वह सामान्य रूप से अक्सर करती रही है।सिद्धी दो दिन से भोजन नहीं कर रही थी। गुरुवार को उसकी मौत हो गई।

अंदरूनी अंगों ने काम करना बंद किया, यही मौत की वजह– बाघिन का पोस्टमार्ट्म वन विहार के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता, सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. हमजा नदीम फारूखी, वाइल्ड लाइफ एसओएस डॉ. रजत कुलकर्णी ने संयुक्त रूप से किया। मृत्यु का कारण वृद्धावस्था के कारण अंदरूनी अंगों का काम न करना पाया गया। मृत सफेद बाघिन का सैंपल जुटाकर परीक्षण के लिए स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक हेल्थ जबलपुर भेजे गए हैं।

अफसरों की मौजूदगी में दाह संस्कार– पोस्टमार्ट्म के बाद मृत बाघिन का नियमानुसार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन संरक्षक भोपाल वृत भोपाल, संचालक वन विहार एव अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में दाह संस्कार किया गया।

ज्यादा स्वस्थ नहीं होते सफेद बाघ, पर रिद्धि अच्छा जी ली– वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके सिन्हा ने बताया कि वन विहार में अब 15 बाघ बचे हैं। अमूमन जंगल में रहने वाले एक स्वस्थ्य बाघ की उम्र 12 से 13 साल तक रहती है। जू में उनकी उम्र 15-16 साल तक होती है। ऐसे में रिद्धि अच्छी जी ली। हालांकि, सफेद बाघ ज्यादा स्वस्थ्य नहीं होते हैं। जीन में परिवर्तन की वजह से यह सफेद होते हैं।